RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः205, शनिवार, 2 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सरकार की जिम्मेदारियों का निर्वहन प्रथम दायित्व – राजीव शंकर वर्मा 03

हसनपुर में जनसुराज पार्टी की ताकत का प्रदर्शन, इंदु गुप्ता को मिला जनता का ... 04

मनीषा रानी की लेटेस्ट तस्वीरों ने मचाया बवाल 07

कई विपक्षी दलों के नेता भी अब राहुल गांधी के रवैये से परेशान हैं : रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला।उन्होंने कहा कि वह देश विरोधी बयानबाज़ी कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के भीतर भी राहुल गांधी के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है।

रिजिजू ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को धमकी दे रहे हैं। यह एक गहरी साजिश है, जो लोकतंत्र को कमजोर करने की ओर इशारा करती है। इस तरह का रवैया देश के लिए बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कई विपक्षी दलों के नेता भी अब राहुल गांधी के रवैये से परेशान हैं। लोग कह रहे हैं कि राहुल गांधी एक गंदा खेल खेल रहे हैं और देश की छवि को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। रिजिजू ने राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद और लोकतंत्र को कमजोर करने वाला बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष एक सोची-समझी साजिश

के तहत देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। रिजिजू ने राहुल गांधी द्वारा बार-बार विदेशों और संसद में दिए जा रहे बयानों को भारत विरोधी बताते हुए कहा कि राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं। विपक्ष के एक जिम्मेदार नेता के रूप में यह उनका कर्तव्य बनता है कि वे देश विरोधी बयान न दें। भारत की अर्थव्यवस्था और छवि के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना कतई उचित नहीं है। संसद के मानसून सत्र को लेकर रिजिजू ने कहा कि पहले ही दिन से विपक्ष हंगामे पर उतारू है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा कराई गई, जिसमें सभी दलों ने भाग लिया। लेकिन जब अन्य मुद्दों पर चर्चा की बारी आई तो विपक्ष वेल में आ गया और संसद की कार्यवाही बाधित की। यह आरोप गलत है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि संसद के बार-बार स्थगित होने का सबसे बड़ा नुकसान विपक्षी सांसदों को हो रहा है, क्योंकि वे जनता के सवाल नहीं उठा पा रहे हैं। एसआईआर (संवैधानिक संस्था द्वारा की जाने वाली प्रक्रिया) पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर रिजिजू ने कहा कि सरकार नियमों के अनुसार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन एसआईआर पर चर्चा संभव नहीं क्योंकि यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती से काम कर रही है और विपक्ष को भी लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखते हुए संसद में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

जांच में बड़ी चीज हाथ लगी, खुलासा होने पर आयोग नहीं दिखेगा

एजेंसी, नई दिल्ली : बिहार में चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची को लेकर चल रहे गहन पुनरीक्षण का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। संसद में इसके खिलाफ विपक्षी दलों का लगातार आंदोलन कर रहे है। इसके अलावा विपक्ष की ओर से सदन में भी इसकी चर्चा की मांग उठ रही है। इस बीच राहुल गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बात कर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर बड़ी चीजें हाथ लगी हैं, जिसका खुलासा होने पर चुनाव आयोग नहीं दिखेगा। राहुल गांधी ने कहा, हमें मध्य प्रदेश में संदेह था, आम चुनाव में संदेह था। महाराष्ट्र में हमारा शक और बढ़ गया। राज्य विधानसभा चुनाव के स्तर पर हमें लगा कि वोटों की चोरी हुई है। फिर हमारे द्वारा शोध किया। पार्टी ने अपने स्तर पर जांच की, इस जांच में 6 महीने लगे। हमें जो मिला है, वहां एटम बम है। वह जब फटेगा, तब चुनाव आयोग यहां दिखेगा नहीं।' पत्रकारों से चर्चा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है। मैं हल्के-फुल्के अंदाज में नहीं बोल रहा हूं, मैं 100 प्रतिशत सबूत के साथ कह रहा हूं। चुनाव आयोग यह सबकुछ भाजपा के लिए करा रहा है।

विपक्ष को ओम बिरला की नसीहत- जनता से मिले मौके को नारेबाजी में मत गंवाइए

एजेंसी, नई दिल्ली : संसद के मानसून सत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी हंगामे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों को कड़ी नसीहत दी है। दरअसल शुक्रवार को जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों ने एक बार फिर एसआईआर मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामा शुरू कर दिया, जिसे देखते हुए सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ गया। इससे पहले सभापति ओम बिरला ने कहा, आप जनता की ओर से मिले अवसर को नारेबाजी और तख्तियों में बर्बाद कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए जरूरी है कि सांसद प्रश्न उठाएं और सरकार जवाबदेह बने। बिरला ने कहा, कि आप तख्तियां लहराकर और नारे लगाकर जनता की भावनाओं को व्यक्त नहीं कर रहे, बल्कि उन पर मिले विश्वास को ठेस पहुंचा रहे हैं। इस दौरान बिरला ने कुछ वरिष्ठ सदस्यों की ओर संकेत करते हुए कहा कि उनसे इस तरह के आचरण की अपेक्षा नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रश्नकाल एक महत्वपूर्ण समय होता है और नारेबाजी से अन्य सांसदों का अधिकार छीना नहीं जा सकता।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के लिए मांगे सुझाव

नई दिल्ली । भारत 15 अगस्त को अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारियों में जुटा है। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष लाल किले की प्राचीर से दिए जाने वाले अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन के लिए देशवासियों से विचार और सुझाव आमंत्रित किए हैं। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक संदेश में कहा, "जैसे-जैसे हम इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस के निकट पहुंच रहे हैं, मैं अपने साथी भारतीयों के विचार सुनने के लिए उत्सुक हूं। आप इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस भाषण में किन विषयों या विचारों को प्रतिबिंबित होते देखना चाहेंगे?" प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपने विचार माईगॉव पोर्टल या नमो ऐप पर उपलब्ध ओपन फोरम के माध्यम से साझा करें। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री का स्वतंत्रता दिवस भाषण देश के विकास, नीति निर्माण, युवाओं की भूमिका और सामाजिक बदलाव जैसे अहम मुद्दों पर केंद्रित होता है। इस बार भी नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह पहल की गई है ताकि आम जन की आवाज़ लाल किले की प्राचीर तक पहुंचे।

भारत समेत 60 देशों पर अमेरिकी टैरिफ सात अगस्त से होगा प्रभावी,ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी, वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने गुरुवार को भारत समेत 60 से अधिक अमेरिकी व्यापारिक साझेदार देशों के निर्यात पर नए टैरिफ (शुल्क) की घोषणा की। शुल्क की यह दर 07 अगस्त से प्रभावी होगी। इसमें भारत पर 25 फीसद और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप ने वैश्विक व्यापार को फिर से पटरी पर लाने की अपनी क्रांतिकारी योजना को आगे बढ़ाते हुए आधीरात से कुछ पहले इस आशय के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। द न्यूयॉर्क टाइम्स, सीबीएस न्यूज और एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, 60 से अधिक देशों पर टैरिफ 07 अगस्त की रात 12:01 बजे से प्रभावी होगा। इसका अपवाद सिर्फ कनाडा है, जिसके निर्यात पर 01 अगस्त की रात 12:01 बजे से टैरिफ लागू होगा। कनाडा पर लगने वाले टैरिफ में उन सभी वस्तुओं को छूट दी गई है, जिनका व्यापार अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते के तहत होता है। इस समय कनाडा से अमेरिका के आयात का बड़ा हिस्सा इन्हीं वस्तुओं का है। कार्यकारी आदेश में कुछ ऐसे

देश भी शामिल हैं जिन्होंने प्रशासन के साथ व्यापार समझौते तोड़ दिए हैं और दर्जनों ऐसे देश हैं जिनके बीच अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। सीरिया के लिए यह शुल्क 41 फीसद, लाओस, म्यांमार के लिए 40 फीसद तक हैं। कार्यकारी आदेश में साफ किया गया है कि किसी भी देश के आयात पर 10 प्रतिशत से कम टैरिफ नहीं लगेगा। सनद रहे ट्रंप ने पहले एक अगस्त की मध्यरात्रि के बाद से उच्च शुल्क लगाने की प्रतिज्ञा की थी। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अतिरिक्त सात दिनों की मोहलत देने का उद्देश्य सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा को नई टैरिफ दरों को लागू करने के लिए पर्याप्त समय देना है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 90 से अधिक देशों पर 'मुक्ति दिवस' पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी।

अभी नहीं रुकेगी बारिश, अगस्त सितंबर में भी नहीं मिलेगी राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम यूपी जैसे इलाकों में इस साल अच्छी बारिश हुई है। गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली के तमाम इलाकों में जोरदार बारिश हुई है। कई मोहल्ले और सोसायटियों में तो लगातार पानी भरने की शिकायतें आती रहती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त और सितंबर में भी सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त में सामान्य बारिश होगी। इसके अलावा सितंबर में सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। दो महीने में 106 फीसदी बारिश होगी, जो सामान्य से 6 फीसदी ज्यादा है। ऐसा देश के सभी हिस्सों में नहीं होगा। इस साल यूपी, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब और उत्तराखंड में अच्छी

बारिश होगी। पूर्वी भारत, मध्य भारत और पश्चिमी भारत के ज्यादातर राज्यों में बारिश सामान्य से कम होगी। इस साल बिहार, बंगाल और ओडिशा में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। आमतौर पर उत्तर बिहार में अच्छी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने ब्लॉक स्तर पर भी बारिश का अनुमान जताया है। पूरे देश के 7,200 ब्लॉकों का मौसम कैसा रहेगा, कब बारिश होगी और कब आसमान साफ रहेगा इसकी जानकारी ब्लॉक-वाइज रेनफॉल मॉनिटरिंग स्कीम के जरिए की गई है।

विकसित राष्ट्र के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : राष्ट्रपति

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने धनबाद आईआईटी (आईएसएम)के 45वें दीक्षांत समारोह में लिया हिस्सा
- 37 गोल्ड मेडलिस्ट छात्र-छात्राओं को मेडल और डिग्रियां प्रदान कीं

एजेंसी, धनबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को धनबाद स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) (आईएसएम) के 45वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया और 37 गोल्ड मेडलिस्ट छात्र-छात्राओं को मेडल और डिग्रियां प्रदान कीं। उन्होंने संस्थान के 100 वर्ष पूरे

होने के उपलक्ष्य में डाक टिकट भी जारी किया। कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने धनबाद स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सबसे पहले यहां मौजूद छात्र-छात्राओं को बधाई दी, साथ ही उनके अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा का आज का दिन इन छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज से ये एक नई यात्रा की शुरुआत कर रहे है, जो नौकरी, उच्च शिक्षा, नवाचार या उद्यमिता की दिशा में हो सकती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को कहा कि आगे जीवन में वह व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि सामूहिक विकास के लिए प्रयास करें, तभी वर्ष 2047 तक हमारा विकसित राष्ट्र का लक्ष्य पूरा हो सकेगा। राष्ट्रपति ने आईआईटी (आइएसएम), धनबाद के लगभग 100 वर्षों की गौरवशाली विरासत पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस संस्थान की स्थापना का उद्देश्य खनन एवं भू-विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञ तैयार करना था, लेकिन समय के साथ संस्थान ने अपने शैक्षणिक दायरे को बढ़ाया और अब यह संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में भी उच्च शिक्षा और अनुसंधान का एक अग्रणी केंद्र बन चुका है। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का झारखंड से घनिष्ठ संबंध है।

भारी बारिश के बाद 3 अगस्त तक रोकी गई अमरनाथ यात्रा

एजेंसी, जम्मू

भारी बारिश के बाद तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 अगस्त तक स्थगित कर दी गई है। यात्रा के दोनों मार्गों पर तत्काल मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जा रहे हैं। शुक्रवार सुबह पहलगाम मार्ग से तीर्थयात्रियों के किसी नए जत्थे को गुफा मंदिर जाने की अनुमति नहीं दी गई। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से तीर्थयात्रियों की आवाजाही लगातार दूसरे दिन भी स्थगित रही। कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने कहा कि यात्रा के पहलगाम और बालटाल मार्गों पर हाल ही में भारी बारिश हुई है। भारी बारिश के बाद बालटाल मार्ग पर तत्काल रखरखाव कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर मतदाता गहन पुनरीक्षण के बाद नई ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता गहन पुनरीक्षण के बाद नई ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। शुक्रवार को यह प्रारूप सूची बिहार के सभी जिलों में जिला निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा जारी कर दी गई। बिहार निर्वाचन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, सभी जिलों के निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को यह सूची सौंप दी है। इसके साथ ही, जिलों में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें भी प्रारूप सूची सौंपी जा रही है। राज्य स्तर पर भी राजनीतिक

दलों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। इस सूची को भी चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर मतदाता अपना नाम ऑनलाइन चेक कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। अपना जिला और विधानसभा क्षेत्र चुनें। "Roll Type" में SIR Draft 2025 का चयन करें। मांगी गई कैप्चा जानकारी भरें। नीचे दिए गए सूची में अपने बूथ की भाग संख्या चुनें। इसके बाद "पीडीएफ डाउनलोड" विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद आपके भाग संख्या की मतदाता सूची पीडीएफ के रूप में डाउनलोड हो जाएगी, जिसमें आप अपना और अपने परिवार के अन्य सदस्यों का नाम देख सकते हैं। आपके क्षेत्र के बीएलओ के पास भी मतदाता सूची का यह ड्राफ्ट मौजूद है। आप उनसे संपर्क कर अपना नाम और विवरण देख सकते हैं। यदि मतदाता सूची में कोई गलती है या आपका/आपके परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं जोड़ा गया है, तो आप 02 अगस्त से 01 सितम्बर तक विशेष कैंपों में जाकर दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इन विशेष कैंपों का आयोजन प्रखंड सह अंचल कार्यालयों और नगर निकाय कार्यालयों में किया जाएगा। आवेदन करते समय संबंधित दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा।

ट्रंप के टैरिफ अटैक के बीच भारत ने एफ-35 फाइटर जेट को खरीदने से किया इंकार

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है, इसके बाद ट्रंप की घोषणा का कारोबार पर असर पड़ने की पूरी संभावना है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मसले पर बातचीत की मंशा भी जाहिर की है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अमेरिका के पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 फाइटर जेट को खरीदने से इंकार किया है। नई दिल्ली ने दो टूक कहा कि वह ज्वाइंट वेंचर के तौर पर पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान डेवपल करना चाहता है। बता दें कि भारत के भरोसेमंद दोस्त रूस ने भी पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 फाइटर जेट मुहैया कराने का ऑफर दिया है। कुछ रिपोर्ट के अनुसार रूस ने तकनीक देन और संयुक्त रूप से पांचवीं पीढ़ी का विमान डेवलप करने का प्रस्ताव दिया है। एफ-35 फाइटर जेट पर भारत के रुख के बाद रूस का एसयू -57 पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट डील में फ्रंट रनर हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट खरीदने को लेकर इच्छुक नहीं है। रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस बाबत भारत ने अमेरिका को सूचित कर दिया है कि वह एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि भारत ज्वाइंट और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के आधार पर डिफेंस डील करना चाहता है। बता दें कि ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एफ-35 लड़ाकू विमान तकनीकी दिक्कतों के चलते केरल में तकरीबन 37 दिनों तक अटका रहा। इसके अलावा कैलिफोर्निया में एफ-35 जेट क्रैश भी हुआ है. इन दोनों घटनाओं से एफ-35 की काबिलियत पर गंभीर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिका से आयात बढ़ाकर हालात को संतुलित करने की कोशिश कर सकता है।

नीतीश की एक और सौगात, शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक, मिड डे मील रसोइयों और नाइट वॉचमैन के मानदेय में दोगुनी बढ़ोतरी

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरे चुनावी मोड में चल रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार उन्होंने शिक्षा विभाग के अंतर्गत मध्याह्न भोजन में कार्यरत रसोइयों के मानदेय में दोगुनी वृद्धि करते हुए 1650 रूपये से 3300 रूपये किए जाने की घोषणा की।

अपने एक्स हैंडिल से उन्होंने पोस्ट कर बताया है कि शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में रसोइयों, रात्रि प्रहरियों तथा शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए इन कर्मियों की मानदेय राशि में सम्मानजनक वृद्धि करते हुए इसे दोगुना

करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत मध्याह्न भोजन में कार्यरत रसोइयों के मानदेय में दोगुनी वृद्धि करते हुए 1650 रूपये से 3300 रूपये करने का निर्णय लिया गया है। वहीं माध्यमिक/उच्च शिक्षा विद्यालय में कार्यरत रात्रि प्रहरी का मानदेय 5000 रूपये से दोगुना करते हुए इसे अब 10000 रूपये करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय 8 हजार रूपये से दोगुना करते हुए अब 16 हजार रूपये करने का निर्णय लिया गया है। इनकी वार्षिक वेतन वृद्धि 200 रूपये के स्थान पर 400 रूपये करने का निर्णय लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, गाड़ी छोड़ भागा ड्राइवर

पटना। पटना में गुरुवार की देर रात सड़क हादसे में दो युवकों मुकेश कुमार (40) और छोटू कुमार (25) की मौत हो गई। घटना, बाईपास थाना क्षेत्र के छोटी पहाड़ी NH 30 के पास की है, जहां ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने इसकी सूचना बाईपास थाने को दी। सूचना मिलते ही बाईपास थाना और जीरो माइल ट्रैफिक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों युवकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। साथ ही ट्रक को जब्त कर थाने ले आई। मृतक युवकों की पहचान पटना के पंडारक थाना क्षेत्र के निवासी मुकेश कुमार और छोटू कुमार के रूप में हुई है। जीरो माइल ट्रैफिक थाना प्रभारी नीरज कुमार झा ने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया है। चालक

की तलाश की जा रही है। घटना स्थल के आसपास के CCTV फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मुकेश और छोटू पटना में किराए के मकान में रहते थे। दोनों प्राइवेट नौकरी करते थे। गुरुवार की रात दोनों काम से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाईपास के नजदीक ट्रक की चपेट में आ गए। बाईपास थाना प्रभारी ने बताया कि युवकों के पास मिले बैग में रखे आधार कार्ड और मोबाइल से उनकी पहचान की गई है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है।

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में एडमिशन का एक और मौका, 4 तक स्नातक में नामांकन के लिए करें अप्लाई

पटना। पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी ने स्नातक BA, B.sc और B.com कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन का एक और मौका दिया है। 1 से 4 अगस्त तक स्नातक में नामांकन के लिए छात्र आवेदन कर सकते हैं। वहीं, वैसे विद्यार्थियों जिनका पहले के ऑनलाइन आवेदन पत्र में किसी गड़बड़ी के कारण नामांकन नहीं हो सका है, वैसे छात्रों को आवेदन में सुधार करने का भी मौका दिया गया है। वो 4 अगस्त तक आवेदन में सुधार कर सकते हैं। छात्र यूनिवर्सिटी के वेबसाइट पर 1 से 4 अगस्त तक अपने यूजर आईडी और पासवार्ड का प्रयोग करते हुए ऑनलाइन संशोधन कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी

के डीन प्रो राजीव रंजन ने बताया कि छात्र अपने विषय और कॉलेज में सीट की उपलब्धता को देखते हुए अधिकतम दो महाविद्यालय का चयन करेंगे। यदि विद्यार्थी कॉलेज का चयन नहीं करते हैं तो उनका चयन किसी कॉलेज की मेधा सूची में नहीं आएगा। उन्होंने आगे बताया कि मेधा सूची 5 अगस्त को जारी किया जाएगा। इसके बाद एडमिशन 7 अगस्त तक हो जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक 80 हजार छात्रों का नामांकन हो चुका है। आवेदन का यह अंतिम मौका है। इसके बाद कोई मौका छात्रों को नहीं दिया जाएगा। दूसरी ओर कल हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की बैठक में यह निर्णय किया गया कि यूनिवर्सिटी स्तर पर एक NEP टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। इसके अलावा यह भी निर्णय लिया गया कि यूनिवर्सिटी स्तर पर NEP 2020 के विभिन्न प्रावधानों जैसे बहु-विषयक शिक्षा, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, कौशल विकास, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), लचीली शिक्षा प्रणाली और छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों के प्रभावी कामों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

मोकामा के बच्चे देसी खेलों में बना रहे पहचान, ग्रैपलिंग, थान्गटा, फेंसिंग की ले रहे ट्रेनिंग

पटना। मोकामा के बच्चे अब विलुप्त होते देसी खेलों में अपनी पहचान बना रहे हैं। कभी औद्योगिक शहर के रूप में जाने जाने वाले मोकामा के नाजरत स्कूल में बच्चे पारंपरिक खेलों की ट्रेनिंग ले रहे हैं। इन बच्चों के कोच सुबोध कुमार का लक्ष्य है कि देसी खेलों को फिर से उनकी पुरानी पहचान मिले। क्रिकेट और बैडमिंटन जैसे लोकप्रिय खेलों के बजाय, ये होनहार खिलाड़ी अपने पारंपरिक खेलों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। महाभारत काल का प्रसिद्ध मल्लयुद्ध अब ग्रैपलिंग के नाम से जाना

जाता है। इसमें एक पहलवान दूसरे को मैदान में पटखनी देकर ऐसा ग्रिप बनाता है, जिससे विरोधी खिलाड़ी बाहर नहीं निकल पाता। मोकामा के कई ग्रैपलिंग चैंपियन खेलो इंडिया से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना चुके हैं। मणिपुरी मार्शल आर्ट थान्गटा में खिलाड़ी इलास्टिक स्टिक का उपयोग करते हैं। इसमें एक-दूसरे पर वार इतने तेज होते हैं कि हेलमेट और ढाल के बिना हड्डियां चटकने का खतरा रहता है। थान्गटा में भी मोकामा के कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर चुके हैं। फेंसिंग में खिलाड़ी स्टील की पतली स्टिक से एक-दूसरे पर वार करते हैं। मोकामा के ये छोटे खिलाड़ी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा रहे हैं। मलखम में भी, जिसमें एक पोल पर जिम्नास्ट की तरह कलाबाजियां खाई जाती हैं, स्थानीय बच्चे राष्ट्रीय खिलाड़ी बनकर उभरे हैं।

पटना में हत्या की साजिश नाकाम, एसटीएफ और जिला पुलिस ने मिलकर 2 अपराधी को पकड़ा

पटना। पटना में एसटीएफ और जिला पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर एक हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया है। इस अभियान में पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपराधियों के पास से देसी कट्टा, जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। बुधवार की शाम पटना के एसटीएफ पुलिस पदाधिकारी को सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार कंकड़बाग थाना क्षेत्र के चौधरी पेट्रोल पंप के नजदीक कुछ अपराधी एक युवक की हत्या की योजना बना रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत एक टीम का गठन किया। पुलिस की टीम ने लोहानीपुर कंकड़बाग थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान सिद्धार्थ कुमार और विशाल राज के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान पता चला कि यह मामला छात्रों के दो गुटों के बीच वर्चस्व के विवाद से जुड़ा है। एक गुट द्वारा पूर्व के विवाद के कारण गोलीबारी की साजिश रची जा रही थी। गिरफ्तार अपराधी पटना सिटी में एक युवक की हत्या करने की नीयत से आए थे। पटना के वरीय आरक्षित अधीक्षक ने इस मामले की पुष्टि की है। पुलिस अब दोनों गिरफ्तार युवकों से विशेष पूछताछ कर रही है ताकि इस मामले से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके।

हाजीपुर में युवक ने बाजार से बाइक चुराई

हाजीपुर। वैशाली के नगर थाना क्षेत्र के जोहरी बाजार में 31 जुलाई की शाम 4:50 बजे एक बाइक चोरी की घटना CCTV में कैद हुई है। बाइक का मालिक राजन कुमार ने हाजीपुर नगर थाने में FIR दर्ज कराई है। राजन सारण के दरियापुर थाना क्षेत्र के खजुहटा गांव के निवासी लालबाबू राय का बेटा है। राजन ने बताया कि वह किसी काम से जोहरी बाजार पहुंचा था। बाइक पार्क करके वह अपने काम पर चला गया था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उसकी बाइक चुरा ली। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक नहीं मिलने पर उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई। CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि एक युवक हीरो हुंडा बाइक के चारों तरफ रेकी कर रहा था। जब वहां लोग आते थे, तो वह साइड हो जाता था। लोगों के जाते ही चोर बाइक के पास पहुंचता है। वह चाबी डालकर बाइक खोलता है और फिर स्टार्ट करके आराम से गांधी चौक की तरफ निकल जाता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और CCTV फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

डोमिसाइल की मांग को लेकर पटना में शिक्षकों का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

♦ सीएम हाउस घेरने निकले थे, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोका, सरकार के खिलाफ हो रही नारेबाजी

डोमिसाइल लागू करने की मांग को लेकर शुक्रवार को पटना में शिक्षक अभ्यर्थी सड़क पर उतरे हैं। कैंडिडेट्स पटना कॉलेज से CM हाउस घेराव के लिए निकले हैं। पुलिस ने सभी को बैरिकेडिंग कर रोका है। छात्र नेता दिलीप ने कहा कि 'हमारी मांग है कि बिहार के सभी सरकारी नौकरियों में 90% डोमिसाइल प्रत्यक्ष रूप से लागू किया जाए, बाकी 10% सीटों पर बाहर के लोग आ सकते हैं या बिहार के लोग ही मार्क के आधार पर जा सकते हैं। बिहार में भी 100 प्रश्न ऐसे दिए जाएं जो बिहार से संबंधित हो जैसे की अन्य राज्यों में होता है।' अभ्यर्थियों का कहना है कि 'अगर डोमिसाइल लागू नहीं होगा तो आपकी सत्ता को हम उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। जनता जाग गई तो जैसे बांग्लादेश से प्रधानमंत्री को भागना पड़ा तो फिर आप किस गली के तुर्रम खान हैं।'

डोमिसाइल लागू हुआ तो CM नीतीश का करेंगे प्रचार: छात्र नेता ने दिलीप ने आगे कहा कि 'अगर सरकार डोमिसाइल लागू करती है, तो हम लोग नीतीश कुमार के लिए वोट करेंगे और पूरे चुनाव में नीतीश कुमार के लिए हर जिले में जाकर प्रचार करेंगे। वहीं, अगर डोमिसाइल नहीं लागू हुआ तो, डोमिसाइल नहीं तो वोट नहीं का नारा पूरे बिहार में बुलंद करेंगे।'

'BPSC TRE-4 डोमिसाइल जल्द लागू किया जाए और चुनाव से पहले इसे संपन्न कराया जाए। STET डोमिसाइल भी जल्द जारी किया जाए, 26000 कंप्यूटर शिक्षक की बहाली जल्द आए, लाइब्रेरियन की बहाली आए, सभी सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल लागू की जाए।

बिहारियों को हक दिया जाए: वहीं, अभ्यर्थी मनीष कुमार ने बताया कि, 'हमारा मामला बहुत छोटा सा है, सत्ता में बैठे लोग इसे गंभीर बना रहे हैं। बिहार में रहे रहे बिहारियों को हक दिया जाए। अन्य राज्यों से बिहारियों को भगाया जा रहा है। कम से कम बिहार में नीतीश बाबू हमें चैन से रहने दीजिए।' 'आप लोग अपने बच्चों को कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड और न जाने कौन सा इंग्लैंड और अमेरिका की यूनिवर्सिटी में पढ़ा रहे हैं। हम लोग को कम से कम पटना यूनिवर्सिटी और बिहार यूनिवर्सिटी के अन्य यूनिवर्सिटी में रोजगार दिया जाए। अन्य राज्यों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से डोमिसाइल लागू है।' अभ्यर्थियों का कहना है कि 'बिहार में डोमिसाइल भी था, मगर नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने के चक्कर में हटा दिए। हम मानते हैं कि आप बुढ़ापा अवस्था में आ गए हैं, एक बार और आप मुख्यमंत्री बन जाइए। आप मुख्यमंत्री तभी बन पाइएगा जब आप डोमिसाइल लागू कीजिएगा।'

3 डिसमिल जमीन के लिए पिता को पीट-पीटकर मार डाला

एजेंसी, पटना

♦ पटना में बेटे ने धोखे से घर बुलाकर की हत्या, बॉडी छिपाने के लिए सुनसान जगह पर फेंका

पटना में 3 डिसमिल जमीन के लिए बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। इस हत्या में पोता भी शामिल था। वारदात रामकृष्णा नगर की है। घटना 18 जुलाई की है। पुलिस ने आज मामले का खुलासा किया है। 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मृतक की पहचान शिव भजन विश्वकर्मा (60) के रूप में हुई थी। बताया गया कि आरोपी बड़े बेटे आलोक नाथ ने उनको अपने घर बुलाया था। वहां जमीन को लेकर बहस हुई, जिसके बाद बेटे ने मारपीट शुरू कर दी। बेटे-पोते ने लोहे की रॉड सी पीट-पीटकर पिता को मार डाला। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया, 'हत्या में आलोक नाथ और उनके दोनों बेटों की भूमिका है। घर पर जब पिता आए तो जमीन को लेकर विवाद शुरू हो गया। मारपीट में आरोपी की पत्नी ने बीच बचाव की कोशिश की,लेकिन दोनों ने बुजुर्ग की जान ले ली'।

मारकर बॉडी सुनसान जगह फेंक दी: 'बॉडी को छिपाने के लिए बाइक पर डाला और सुनसान जगह पर फेंक दिया। घटना में शामिल बाइक और लोहे की रॉड बरामद कर ली गई है। 3 लोगों को अरेस्ट किया गया है'। शिवभजन विश्वकर्मा कंकड़बाग के चांदमारी रोड में रहते थे। 19 जुलाई को रामकृष्णा नगर इलाके के महादेवनगर से एक वृद्ध की बॉडी मिली थी। इसकी पहचान छोटे बेटे ने की थी। छोटे बेटे की शिकायत के आधार पर जब बड़े बेटे से पूछताछ की गई तो मामले के बारे में पता चला।

गठित की गई थी टीम: SP ने बताया कि कांड की गंभीरता को देखते हुए ASP अभिनव और कंकड़बाग थानेदार अभय कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। इसके बाद छापेमारी कर के सभी को 5 घंटे के भीतर पकड़ लिया गया।

नदी में डूबते 5 बच्चों को ग्रामीणों ने बचाया, दो बच्चों की हालत गंभीर

एजेंसी, पटना

पीएमसीएच में इलाज जारी, नहाने के दौरान डूब रहे थे सभी

पटना में धोबा नदी में आई बाढ़ के पानी में नहाने पहुंचे 5 बच्चे डूबने लगे, ग्रामीणों ने सभी बच्चों को बचाया। पूरा मामला फतुहा थाना क्षेत्र के नियाजीपुर गांव का है, इस दौरान दो बच्चों उपेन्द्र यादव की बेटी सिंपी कुमारी (10), चंद्रशेखर कुमार के बेटे ऋषभ कुमार (06) की हालत गंभीर हो गई, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

दो बच्चे PMCH में एडमिट: ग्रामीणों के अनुसार, नियाजीपुर गांव के पांच बच्चे धोबा नदी में आए बाढ़ के पानी में स्नान कर रहे थे। नहाने के दौरान उन्हें पानी की गहराई का अंदाजा नहीं मिला और वे सभी डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख पास मौजूद स्थानीय लोगों की नजर उन पर पड़ी। बिना समय गंवाए ग्रामीणों ने सभी पांचों बच्चों को सकुशल पानी से बाहर निकाल लिया। वहीं आनन-फानन में दो बच्चों को इलाज के लिए फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। फतुहा CHC में प्राथमिक उपचार के बाद, डॉक्टरों ने दोनों बच्चों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल, दोनों बच्चों का इलाज PMCH में जारी है और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

पटना के स्पा सेंटर में चल रहा था सेक्स रैकेट

एजेंसी, पटना

♦ फुल सर्विस का रेट-3000, हाफ का-2000, कस्टमर्स को देते थे लड़की पसंद करने की चॉइस

पटना के एक स्पा सेंटर में मसाज की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था। मसाज पार्लर में घुसने के साथ ही मेल कस्टमर्स को लड़कियां दिखाई जाती थीं। जो उनको पसंद आती उस हिसाब से उनके रेट तय किए जाते थे। पुलिस ने गुरुवार की रात कोतवाली इलाके के सुकून स्पा सेंटर में रेड की। इस दौरान संचालिका को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 2 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू कराया गया। पार्लर में घुसने के साथ नए ग्राहकों के पास लड़कियां पहुंच जाती थीं। उनसे कहा जाता था कि ब्यूटी पार्लर के अलावा मसाज की भी सुविधा है। हाफ और फुल अलग-अलग है। फुल में सबकुछ ओपन होगा और हाफ में बस मसाज होगा। इसके रेट भी अलग अलग हैं, हाफ के 2000 और फूल के 3500 हैं। फिर इनके सामने पार्लर की सभी लड़कियों को बारी-बारी से बुलाया जाता था। उनमें से ग्राहक जिसको पसंद करता था, उसके साथ वो हाफ और फुल का मसाज करता था।

2 नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू, संचालिका गिरफ्तार: कोतवाली थानेदार राजन कुमार ने बताया कि 'फ्रेजर रोड स्थित ग्रैंड प्लाजा के अंदर सुकून नाम से ब्यूटी पार्लर है। इसमें अनैतिक तरीके से देह व्यापार के धंधे के बारे में मिशन मुक्ति फाउंडेशन और रेस्क्यू फाउंडेशन की ओर से जानकारी मिली थी।' 'ऑपरेशन नया सवेरा के तहत सिटी एसपी सेंट्रल के नेतृत्व में SDPO लॉ एंड ऑर्डर 1 और SDPO सचिवालय टू की टीम गठित की गई। छापेमारी की गई।' 'यहां से दो नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया गया है और पार्लर की संचालिका को गिरफ्तार किया गया है।'

पार्लर को पुलिस ने किया सीलः पार्लर से आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए गए हैं। FSL की टीम बुलाकर जांच कराई गई है। आपत्तिजनक सामान को जब्त कर लिया गया है। इसके अलावा पार्लर को सील भी कर दिया गया है। पुलिस ने संचालिका का मोबाइल जब्त किया है। जिसमें देह व्यापार से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। कार्यपाल दंडाधिकारी की मौजूदगी में स्पा सेंटर को सील कर दिया गया है। नाबालिग लड़कियों से पूछताछ की जा रही है।

रोज नए-नए लोगों के पहुंचने से हुआ शक: स्पा सेंटर में रोज नए नए युवक और युवतियां पहुंच रहे थे। इसी सूचना के आधार पर कार्रवाई हुई है। पटना के स्पा सेंटरों में दाढ़ी बनाने से लेकर मसाज करने तक के चार्ज अलग-अलग है। 2000 से 3500 स्पा सेंटर में चार्ज किए जाते हैं। अधिकतर स्पा सेंटरों में लड़कियां काम कर रही हैं।

पटना एम्स के डॉक्टरों का हड़ताल, विधायक तुम मांफी मांगो की लगा रहे हैं नारे

एजेंसी, पटना

एमएलए चेतन आनंद और डॉक्टरों के बीच मारपीट का है मामला

पटना AIIMS के डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। बुधवार की देर रात शिवहर विधायक चेतन आनंद और उनकी पत्नी के साथ हुए मारपीट और दुर्व्यवहार के बाद AIIMS के डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार कर दिया है। डॉक्टरों ने कैंपस में मार्च करते हुए विधायक तुम मांफी मांगो, वी वांट जस्टिस के नारे भी लगाएं। रेजिडेंट डॉक्टरों ने इसे लेकर लिखित आवेदन पटना AIIMS के अधीक्षक को दी है।

इन डॉक्टरों ने लिखा पत्र: आवेदन में वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. जीशान खान (ट्रॉमा सर्जरी) डॉ. अनुपम कुमार (ट्रॉमा सर्जरी) डॉ. व्याख्या गुप्ता (ओएमएफएस) डॉ. शुभम भारद्वाज (ऑर्थोपेडिक्स) डॉ. शिवम शर्मा (बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी) और जूनियर रेजिडेंट डॉ. अमन वर्मा (रेडियोथेरेपी) डॉ. अजय यादव (सीएफएम) डॉ. राहुल कसौधन (एनेस्थीसिया) डॉ. कुलदीप शर्मा (एफएमटी) डॉ. सिथार्थन एम (आपातकालीन चिकित्सा) डॉ. अमित गुप्ता (एनेस्थीसिया) डॉ. सिद्धार्थ सौरभ (नेत्र विज्ञान) डॉ. आनंद कुमार यादव (सीएफएम) डॉ. सयानी दास घोष (ट्रॉमा सर्जरी) डॉ. रितेश कुमार (रेडियोथेरेपी) डॉ. प्राची जैन (रेडियोलॉजी) डॉ. आस्था प्रियदर्शिनी (मनोचिकित्सा) ने संयुक्त रूप से पत्र लिखा है।

डॉक्टरों को जान से मारने की धमकी दी: पत्र में कहा गया है कि शिवहर विधायक चेतन आनंद, उनकी पत्नी डॉ. आयुषी सिंह और उनके सशस्त्र गार्ड जबरन अस्पताल परिसर में घुस आए, सुरक्षा कर्मचारियों के साथ मारपीट की, रेजिडेंट डॉक्टरों को जान से मारने की धमकी दी और अस्पताल परिसर में बंदूक लहराई। एक अस्पताल के गार्ड को हथियार के बट से बुरी तरह घायल कर दिया गया और हमारे रेजिडेंट डॉक्टरों को उनके ही कार्यस्थल पर धमकियों, दुर्व्यवहार और भय का सामना करना पड़ा। इस घटना के बावजूद प्रशासन ने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा या न्याय दिलाने के लिए कोई निर्णायक कानूनी या संस्थागत कार्रवाई नहीं की है। कार्रवाई में इस विफलता ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के बीच भय और लाचारी का माहौल पैदा कर दिया है।

बारिश के बाद दानापुर में जलजमाव

एजेंसी, पटना

दानापुर नगर परिषद क्षेत्र में बारिश से जलजमाव की स्थिति बन गई है। शहर के बीबीगंज रोड, गोला पर, सैनिक कॉलोनी, गोला रोड, जजेज कॉलोनी, सुल्तानपुर, चित्रकूट नगर और पंचशील नगर समेत अधिकांश वार्डों में जलजमाव और कीचड़ से लोगों को परेशानी हो रही है।

मोहल्लों की स्थिति नारकीय: दानापुर धनेश्वरी देवनन्दन कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का पूरा कैंपस झील में तब्दील हो गया है। क्लास रूम में पानी घुसने से छात्राओं का पढ़ाई बाधित हुआ है। बीबीगंज पुलिस चौकी में भी बरसात का पानी घुस गया है। वहां तैनात पुलिसकर्मी पानी निकालते नजर आए। छावनी परिषद के बड़ी मछुआ टोली, लालकोठी सहित कई इलाके बरसात और नाले के पानी से जलमग्न हो गए हैं। सभी वार्डों के मोहल्लों की स्थिति नारकीय बनी हुई है।

वार्ड पार्षद बोले- मैं कुछ नहीं कर सकता: वार्ड नंबर 13 के मिठाई दुकानदार विजय राय ने बताया कि बरसात के बाद स्थिति बदतर हो गई है। नाले और बरसात का पानी दुकान के अंदर घुस रहा है, जिससे काफी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि कभी भी नाला की सफाई नहीं होती है। स्थानीय निवासी सबिता देवी ने बताया कि बरसात का पानी उनके घर में घुस गया है। इस बारे में जब वार्ड पार्षद से बात की तो उन्होंने कहा कि वो कुछ नहीं कर सकते। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद के साथ ही वार्ड पार्षद भी इस समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं।

गंगा जल भरने गया युवक नदी में डूबा, लापता

पटना। पटना के फुलवारी शरीफ में आयोजित श्रावणी मेला पूजा के लिए गंगाजल भरने गया एक युवक डूब गया। फुलवारी शरीफ के चुनौती कुआं निवासी सौरभ शर्मा (25) शुक्रवार सुबह पटना के NIT घाट पर गंगाजल भरते समय अचानक नदी के तेज बहाव में बह गया। श्रावणी महोत्सव पूजा नवदुर्गा मंदिर के अध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि गुरुवार की देर रात फुलवारी शरीफ नवदुर्गा मंदिर से लगभग 1000 महिला-पुरुष जल भरने के लिए पटना सिटी गंगा घाट पर गए थे। शुक्रवार सुबह जल भरने के दौरान सौरभ शर्मा अनियंत्रित होकर गहरे पानी में चला गया और गंगा नदी में लापता हो गया।

स्थानीय लोगों ने सौरभ को खोजने का काफी प्रयास किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद SDRF टीम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही SDRF की टीम ने गंगा नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

पीके बोले- जदयू की फ्यूचर जन सुराज है, कहा- नवंबर के बाद जदयू कार्यकर्ता का घर होगा जन सुराज

एजेंसी, पटना

फिल्म निर्माता चेतना पासवान भाजपा में शामिल

फिल्म निर्माता चेतना झांब, भाजपा के पूर्व महामंत्री सहित कई भाजपा के नेताओं ने आज जन सुराज की सदस्यता ग्रहण की है। प्रशांत किशोर ने सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। इस दौरान PK ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री मंगल पांडेय और तेज प्रताप यादव पर जमकर हमला बोला। कहा कि धीरे-धीरे हम सभी की पोल खोलेंगे, अभी मंगल पांडे और सम्राट चौधरी दोनों ही कतार में है।

नीतीश कुमार पीला रंग पर वोट लेने की कर रहे कोशिश: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए पीके ने कहा कि नीतीश कुमार भी अपना रथ बनाए हैं, वो भी पीला ही है। उन्होंने भी अपना रंग छोड़ दिया। इस बात की मुझे खुशी भी है। नीतीश कुमार अब पोस्टर भी पीला ही लगा रहे है। गांव-गांव में जाएंगे तो हर जगह पहचान बन गई है कि पीला रंग मतलब जन सुराज। कुछ लोगों के मन में ऐसी दुर्भावना आई है कि पिला रंग के नाम पर हम अपने सिंबल पर वोट ले लेंगे।

कहा कि जनता इतनी बेवकूफ नहीं है। पीला रंग लोग चालाकी से इस्तेमाल कर रहे हैं। नीतीश कुमार जब पीला रंग के बस से घूमेंगे तो लोग यहीं समझेंगे की अब नीतीश कुमार ने भी मान लिया कि जेडीयू का भविष्य जन सुराज में ही है। नवंबर के बाद जेडीयू के सारे कार्यकर्ता और नेता का रास्ता कहीं नहीं है, उनका घर जन सुराज ही है। यहीं पर उनको जगह मिलने वाली है।

मंगल पांडेय-सम्राट चौधरी की खोलेंगे पोल: पीके ने कहा कि हमने घोषणा की है कि मंगल पांडे और सम्राट चौधरी दोनों ही कतार में है। एक एक करके सब का पोल खुलेगा कि कितने लोगों को इन लोगों ने परेशान किया है। दिलीप जायसवाल मूर्छा से उठेंगे तो उनकी भी तीसरी किस्त जल्द जारी की जाएगी। तब तक दूसरे महारथी लोग का उपाय किया जाएगा।

पीला पहनने वाला हर व्यक्ति जन सुराजी नहीं हो सकता: तेज प्रताप यादव के पीले टोपी और गमछा पर प्रशांत किशोर ने हमला करते हुए कहा कि पीला रंग विष्णु का रंग है। पीला रंग में तो सबको रंगना ही है। इसी रंग से तरक्की है। इस्लाम ने भी सबसे पीला को सबसे अच्छा रंग बताया है। लेकिन हर व्यक्ति जो पीला रंग में रंग गया वो जन सुराजी नहीं है। हर चमकता हुआ पीला चीज सोना नहीं होता। जो विचार से पीला है और जो बिहार के विकास का सोचता हो वो जन सुराजी नहीं है।

मूर्छा से उठेंगे दिलीप जायसवाल तब चलेगा तीसरा बाण: वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर हमला करते हुए कहा कि युद्ध में घायल पर हमला नहीं किया जाता है। हमने उन पर दो बाण लगाए और दिलीप जायसवाल मूर्छित होकर गिर गए। उसका जवाब नहीं दे पा रहे है। लोगों ने पूछा कि तीसरी किस्त कब जारी करेंगे? जब वो मूर्छा से उठेंगे तब तीसरा बाण भी चलाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

25 लीटर शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक भी जब्त

अरेराज। मलाही थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 लीटर से अधिक शराब बरामद की है। इस दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष करण सिंह ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि चटिया दियर निवासी नंदलाल यादव (20 वर्ष) अपने घर में शराब का अवैध कारोबार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी की और आरोपी के घर से बंटी-बबली ब्रांड की 80 बोतलें (16 लीटर) और फ्रूटी अंग्रेजी शराब की 48 बोतलें (8.64 लीटर) बरामद की। कार्रवाई के दौरान शराब तस्करी में प्रयुक्त एक बाइक भी जब्त की गई। आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

मैराथन, ड्राइंग और क्विज प्रतियोगिता के साथ युवा चंपारण महोत्सव 4.0 का हुआ भव्य शुभारंभ

मोतिहारी। गांधी की धरती पर शुक्रवार को युवा चंपारण महोत्सव 4.0 का शुभारंभ बड़े ही उत्साह और जोश के साथ हुआ। पहले दिन की शुरुआत मैराथन दौड़ से हुई, जिसका उद्घाटन कार्यक्रम के महासचिव एवं आगंतुक अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह दौड़ गांधी मैदान से प्रारंभ होकर हॉस्पिटल रोड, गांधी चौक, मीना बाजार होते हुए गांधी संग्रहालय परिसर में संपन्न हुई। सीनियर श्रेणी की मैराथन दौड़ में प्रतिभागियों ने दमखम दिखाया, जिसमें प्रथम स्थानः नीरज कुमार, द्वितीय स्थानः रोहित कुमार, तृतीय स्थानः प्रकाश गिरी वहीं जूनियर श्रेणी की मैराथन दौड़ में प्रतिभागियों ने दमखम दिखाया जिसमें प्रथम स्थानः सुशील कुमार, द्वितीय स्थानः अनुभव कुमार तृतीय स्थानः प्रिया कुमारी रही। वहीं शतरंज विजेता अंशिका एवं वर्षा रानी रही।

टाऊन हॉल में ड्राइंग और क्विज के साथ शतरंज में दिखी रचनात्मकताः ड्राइंग एवं क्विज के साथ शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन टाऊन हॉल में किया गया, जहाँ प्रतिभागियों की रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता देखने को मिली। दोनों प्रतियोगिताओं में बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को सफल बनाया। महोत्सव समिति का उद्देश्य महोत्सव समिति के अध्यक्ष आकर्ष कुमार तिवारी ने कहा, "इस महोत्सव का उद्देश्य चंपारण के उभरते हुए टैलेंट को मंच देना है ताकि वे अपनी कला और हुनर को जनता के सामने प्रस्तुत कर सकें।" उन्होंने युवाओं के उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। महोत्सव के दूसरे दिन साइकिल रेसिंग और नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जबकि 3 अगस्त को सभी विजयी प्रतिभागियों को भव्य सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। इस आयोजन में महोत्सव समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक सिंह सूर्या, उपाध्यक्ष अंकित कुमार सिंह, महासचिव अमिता निधि, सचिव प्रबोध पाठक, सुरक्षा प्रमुख हिमांशु दुबे, मीडिया प्रभारी विशाल कुमार, अमन कुमार, विशाल पांडे, रौशन कुमार, सुन्नी कुमार, शिवम् कुमार सहित अन्य लोग उपस्थिति रहे।

तुरकौलिया में नकली ग्रीनप्लाई दरवाजा जब्त, दुकान संचालक पर एफआईआर

तुरकौलिया। तुरकौलिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बीएसएनएल टावर के समीप बजरंग टिम्बर नामक दुकान से नकली ग्रीनप्लाई दरवाजे और स्टीकर बरामद किए हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई ग्रीन प्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शिकायत पर की गई। कंपनी के अधिकृत पदाधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि दुकानदार मुकेश कुमार (निवासीः बाबू टोला) नकली ग्रीन गोल्ड और ग्रीन लीफ ब्रांड का स्टीकर लगाकर दरवाजों की बिक्री कर रहा था, जो कंपनी के पंजीकृत ट्रेडमार्क और कॉपीराइट का उल्लंघन है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने दुकान पर छापा मारा। दुकानदार की सहमति से दुकान और गोदाम की तलाशी ली गई, जिसमें 90 नकली प्लाईबोर्ड दरवाजे और 87 ग्रीन गोल्ड स्टीकर बरामद हुए। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी ग्राहकों को भ्रमित कर नकली माल की आपूर्ति कर रहा था। उसके विरुद्ध केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सरकार की जिम्मेदारियों का निर्वहन प्रथम दायित्व – राजीव शंकर वर्मा

बीएनएम @ सागर सूरज मोतिहारी।

जिले के वरिष्ठ सिविल अधिवक्ता राजीव शंकर वर्मा ने शुक्रवार को गोवर्नमेंट प्लीडर (जीपी) के पद का कार्यभार ग्रहण किया। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को लिखित सूचना देने के बाद उन्होंने अपने समर्थकों के साथ डीएम कार्यालय पहुंचकर औपचारिक रूप से पद स्वीकारने की जानकारी दी, जिसके बाद जिलाधिकारी ने उनके आवेदन को मंजूरी देते हुए संबंधित अधिकारियों को आदेश जारी किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत श्री वर्मा मोतिहारी कोर्ट स्थित जीपी कार्यालय पहुंचे, जहां दर्जनों समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यालय में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री वर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा सौंपे गए दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना हमारी पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम और कानून के विरुद्ध किसी भी प्रकार की गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं होगा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पूर्वी चंपारण में सरकार की बड़ी संख्या में जमीनें हैं, जिनमें से कई पर अवैध कब्जा है। इन मामलों में सरकार के पक्ष में मजबूती से पैरवी करना उनका प्राथमिक दायित्व होगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता या पक्षपात को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्री वर्मा ने कहा कि यदि बिहार सरकार ने उन पर भरोसा जताया है तो वे उस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव और बिहार राज्य बार काउंसिल के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे ने कहा कि श्री वर्मा एक कुशल और सधे हुए सिविल अधिवक्ता हैं, जिनके आने से सरकार के मामलों को मजबूती मिलेगी। वहीं क्रिमिनल क्षेत्र के वरीय अधिवक्ताओं ने उन्हें ईमानदार छवि वाला और जिला बार का मजबूत स्तंभ बताया। शैलेन्द्र कुमार सिंह, पवन कुमार सिंह, एसके पंकज, संजय श्रीवास्तव सुमन, मनोज कुमार, अवनीश कुमार, चुन्नू जी सहित कई अधिवक्ताओं ने श्री वर्मा को सरकारी वकील पद पर नियुक्ति के लिए शुभकामनाएं दीं। सरकार के विधि सचिव अंजनी कुमार सिंह ने अपने पत्रांक 4777, दिनांक 30 जुलाई 2025 के माध्यम से श्री वर्मा को जीपी पद पर नियुक्त किया है और आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। श्री वर्मा पटना विश्वविद्यालय के 1977-80 बैच के एलएलबी गोल्ड मेडलिस्ट हैं और सिविल विधि क्षेत्र में उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि भी समृद्ध रही है। उनके पिता और दादा दोनों ही जिले के प्रतिष्ठित सिविल अधिवक्ता रहे हैं।

खरीफ मौसम में किसानों द्वारा उर्वरक की बढ़ी मांग को देखते हुए जिला अंतर्गत दो रैक हुआ है प्राप्त

बीएनएम @ मोतिहारी।

मैटिक्स फर्टिलाईजर्स का रैक शुक्रवार, 01 अगस्त को मोतिहारी रैक प्वाइंट पर पहुंचा तथा रैक प्वाइंट से जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह की उपस्थिति में जिले के सभी प्रखंडों में मांग के अनुरूप खुदरा उर्वरक विक्रेता को उर्वरक उपलब्ध कराया गया है। जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि अगले दो दिनों में हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लि. का भी रैक प्राप्त हो जायेगा साथ ही अगले सप्ताह में नेशनल फर्टिलाईजर्स लिमिटेड एवं यारा फर्टिलाइजर्स का रैक भी प्राप्त हो जायेगा जिससे जिले की स्थिति और भी अच्छी हो जायेगी। जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि पूर्वी चम्पारण जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है। किसान कृपया संयम बनाये रखें। कृषि विभाग एवं जिला प्रशासन किसानों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर है। किसानों को सुगमतापूर्वक एवं निर्धारित दर पर उर्वरक की प्राप्ति हो इसके लिए जिले के सभी उर्वरक प्रतिष्ठानों पर कृषि समन्वयक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं किसान सलाहकारों की प्रतिनियुक्ति की गई ताकि किसानों को आसानीपूर्वक उर्वरक की प्राप्ति हो सके।

मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशन को लेकर राजनीतिक दलों के जिला प्रतिनिधियों के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की बैठक

विशेष गहन पुनरीक्षण- 2025 अंतर्गत प्रकाशित मतदाता सूची प्रारूप की प्रति सभी राजनीतिक दलों को कराया गया उपलब्ध

बीएनएम @ मोतिहारी।

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन के सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी - सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 के अंतर्गत शुक्रवार 01अगस्त 2025 को प्रकाशित मतदाता सूची प्रारूप को लेकर राजनीतिक दलों के जिला प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 (SIR)को 24 जून 2025 से 26 जुलाई 2025 तक सभी के सहयोग से चलाया गया और आज मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया गया है, जिसकी प्रति आप लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है। जिलाधिकारी के द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची प्रारूप के आंकड़ों के संबंध में विस्तृत जानकारी उपस्थित सभी जन प्रतिनिधियों दी गई। उन्होंने प्रकाशित प्रारूप में जिला के मतदाताओं की संख्या, मृतक स्थानांतरित एवं अनुपस्थित मतदाताओं की संख्या से सभी अवगत कराया और कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के पूर्व पूर्वी चंपारण जिला में कुल मतदाताओ की संख्या-36,89,848 था, विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रारूप प्रकाशन के बाद मतदाता की संख्या- 33,73,095 हो गई है। विशेष पुनरीक्षण के दौरान 3,16,753 मतदाताओं को एएसडी के रूप में अर्थात शिफ्टेड,दोहरी प्रविष्टि,मृत अंतर्गत चिन्हित किया गया। विशेष पुनरीक्षण के दौरान 32,82,808 प्रपत्र बीएलओ के माध्यम से अपलोड किए गए वहीं आम नागरिकों के द्वारा भी 90287 प्रपत्र अपलोड किए गए। विधानसभा वार डेटा के संबंध में बताते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि 21-ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत पहले 344879 मतदाता पंजीकृत थे। विशेष पुनरीक्षण के पश्चात वहां पर कुल मतदाताओं की संख्या 327248 हो गई है। यहां पर 17631 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 17-पिपरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पूर्व में 364154 मतदाता थे। विशेष पुनरीक्षण के पश्चात वहां कुल मतदाताओं की संख्या 329096 हो गई है। वहां पर 35058 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 20- चिरैया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 311078 मतदाता पूर्व में थे अब वहां पर कुल मतदाताओं की संख्या 282441हो गई है। यहां पर 28637 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 15-केसरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पहले 281830 मतदाता थे अब वहां कुल मतदाताओं की संख्या 256644 हो गई है। यहां पर 25186 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 11-सुगौली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पहले 299202 मतदाता थे विशेष पुनरीक्षण के पश्चात वहां कुल 279217 मतदाता की संख्या है। यहां पर 19985 मतदाता एएसडी के रूप में चिन्हित है। 13-हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पहले 286495 मतदाता पंजीकृत थे,

विशेष पुनरीक्षण के पश्चात वहां मतदाताओं की संख्या 269159 हो गई है।यहां पर 17336 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 16-कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पहले 272495 थे विशेष पुनरीक्षण के पश्चात वहां कुल मतदाताओं की संख्या 250085 हो गई है यहां पर कुल 22410 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 18-मधुबन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 283307 मतदाताओं की जगह विशेष पुनरीक्षण के पश्चात 260308 कुल मतदाताओं की संख्या हो गई है। यहां पर 22999 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 12- नरकटिया विधानसभा क्षेत्र में पहले 317341 कुल मतदाताओं की संख्या थी जो विशेष पुनरीक्षण के पश्चात 294302 हो गई है। यहां पर 230 39 मतदाताओं को एएसडी के रूप में चिन्हित किया गया है। 14-गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 288470 मतदाता पहले थे, विशेष पुनरीक्षण के पश्चात यहां 259 911 कुल मतदाताओं की संख्या हो गई है। यहां पर 28559 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 10 - रक्सौल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 301051 कुल मतदाताओं की संख्या थी, विशेष पुनरीक्षण के पश्चात यहां पर 279 558 मतदाता की संख्या हो गई है। यहां पर 21493 मतदाता एएसडी के रूप में चिन्हित है। इसी प्रकार 19- मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पूर्व में 339546 कुल मतदाताओं की संख्या थी जो विशेष पुनरीक्षण के पश्चात 285126 हो गई है। यहां पर कुल 54420 मतदाता विशेष पुनरीक्षण कार्य के दौरान एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया युक्तिकरण के बाद जिला में मतदान केंद्रों की संख्या में परिवर्तन आया है। जिला में कुल मतदान केंद्रों की संख्या में 584 की वृद्धि हुई है। पहले जिला में 3511 मतदान केंद्र थे जो बढ़कर 4095 हो गया है। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि आज मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया है उसकी सूची सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी जा रही है।साथ ही वह सूची भी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों उपलब्ध कराई जा रही है जिनका नाम एएसडी के अंतर्गत आया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में आप सभी का भरपूर सहयोग मिला है जिसके कारण यह जिला निर्धारित अवधि से दो दिन पहले ही सभी कार्यों को पूर्ण कर कर लिया था।

बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया प्रारूप प्रकाशन के पश्चात दावा आपत्ति के लिए 01 अगस्त से 01 सितंबर 2025 तक का समय निर्धारित किया गया है। आप सभी से अपेक्षा है कि अगर कोई नाम छूट गए हैं, उन सभी का नाम मतदाता सूची में शामिल करने में सहयोग करेंगे। एएसडी की सूची अपने माध्यम से बीएलए को उपलब्ध करा देंगे, जिनके द्वारा मतदान केंद्र बार एक बार पुनः देख लिया जाएगा।अगर कोई नाम छूटा हो तो उनका नाम बीएलए के माध्यम से भी जुड़वाया जा सकता है। इस अवधि में सभी प्रखंड कार्यालय, नगर निगम,नगर पंचायतो में विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा, वहां भी नाम जोड़ने वाले प्रपत्र 6 के भरकर नाम जुड़वाया जा सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि इस अवधि में नए नाम भी जोड़े जाएंगे और प्रपत्र 6 साथ निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित 11 आवश्यक दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज देना पड़ेगा। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि प्राप्त दवा पट्टी का निराकरण निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के द्वारा 25 सितंबर तक कर दिया जाएगा एवं अंतिम रूप से मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितंबर को किया जाएगा, जिसके आधार पर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने कहा कि आप अपने बीएलए एवं अपने दल कार्यकर्ता के माध्यम से दिखवा लें,अगर किसी योग्य मतदाता का नाम छूट गया है तो वह अपना नाम जुड़वाने हेतु प्रपत्र 6 में अपना दावा करेंगे। साथ ही प्रपत्र 6 के साथ एनेक्सचर D लगाना होगा। अगर किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हट गया है तो प्रपत्र के साथ में आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं । यदि मतदाता पहचान पत्र में किसी प्रकार का सुधार करवाना तथा अपना नाम इस विधानसभा से किसी अन्यत्र जगह पर स्थानांतरित करवाना है। तो प्रपत्र 8 में आवेदन करेंगे । दावा आपत्ति की अवधि में बीएलए अपने बीएलओ को एक बार में अधिकतम 10 आवेदन दे सकते हैं। लेकिन बीएलओ को फॉरवर्डिंग लेटर के साथ तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए विविध प्रपत्र में एक प्रमाण पत्र भी देना होगा कि उनके द्वारा दिया गया आवेदन पूर्णतः सही है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों को इस कार्य में पूर्ण सहयोग करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (यू), राष्ट्रीय जनता दल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), सीपीएम, सीपीआई (एमएल), राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के जिला अध्यक्ष/सचिव/प्रतिनिधि के साथ साथ जिला प्रशासन की तरफ से जिलाधिकारी के साथ नगर आयुक्त नगर निगम मोतिहारी, सहायक समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उपस्थित थे।

नेक नियति से विकसित होगा कॉलेज- प्राचार्य प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार

बीएनएम @ मोतिहारी।

» नवपदस्थापित प्राचार्य को गुलाब का फूल देकर किया गया स्वागत
» शिक्षकों के अलग विचार कॉलेज का है सेफ्टी बाल्व- सचिव

बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग, पटना द्वारा अनुशंसित, शिक्षा विभाग बिहार सरकार द्वारा अग्रसारित एवं भीम राव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर द्वारा निर्गत अधिसूचना का अनुपालन करते हुए शुक्रवार को प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने नगर के सदर अस्पताल रोड स्थित लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में शुक्रवार को प्राचार्य का पद ग्रहण किया। निवर्तमान प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने प्राचार्य कक्ष में नवपदस्थापित प्राचार्य प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। निवर्तमान प्राचार्य ने नवपदस्थापित प्राचार्य को प्राचार्य पद का प्रभार सुपूर्द किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवपदस्थापित प्राचार्य प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने महाविद्यालय संस्थापक स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण दूबे एवं प्रथम प्राचार्य स्वर्गीय गोकर्ण शर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए पुष्प अर्पित किया। लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षक संघ व लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद सभागार में नवपदस्थापित प्राचार्य प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार का औपचारिक स्वागत किया गया। शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार व सचिव डॉ.कुमार राकेश रंजन, शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आशुतोष व सचिव संजीव किशोर ने पुष्पगुच्छ देकर नवपदस्थापित प्राचार्य का वंदन किया। नवपदस्थापित प्राचार्य प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने महाविद्यालय द्वारा कृत स्वागत से अभिभूत होकर कहा कि किसी भी महाविद्यालय को नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए महाविद्यालय शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का आत्मीय सहयोग आवश्यक होता है। शिक्षकों को सुपीरियर स्वभाव व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को इंफेरियर स्वभाव का त्याग करते हुए छात्रहित में पारस्परिक समन्वय से काम करना होगा। उन्होंने समयानुकूल परिवर्तनशीलता का पक्ष लेते हुए कहा कि यदि नेक नियत हो तो युक्तियुक्तता व स्थापित विधि कभी भी महाविद्यालय के विकास में बाधक नहीं होगा। निवर्तमान प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने पदभार सौंपते हुए उद्बोधित किया कि अल्पावधि में एक छोटे प्रयास द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से महाविद्यालय को बी ग्रेड हासिल हुआ है। उन्होंने नवपदस्थापित प्राचार्य को अधिकतम सहयोग देने की वचनबद्धता अभिव्यक्त की। लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षक संघ सचिव डॉ.कुमार राकेश रंजन ने नवपदस्थापित प्राचार्य का स्वागत उद्बोधन करते हुए कहा कि 1966 में स्थापित व 1980 में अंगीभूत लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय भी शिक्षार्थियों के आकर्षण का सदा अभिलाषी केंद्र बनता जा रहा है। यहां शिक्षकों के अलग विचार महाविद्यालय के प्रेशर कुकर में सेफ्टी बाल्व की तरह है, इसे प्राचार्य की कड़ी ताकत से बांधा नहीं जा सकता है, नहीं तो ब्लास्ट हो जाएगा। बीबीए समन्वयक डॉ.कृष्ण कुमार कृष्णा ने नवपदस्थापित प्राचार्य का स्वागत कर जॉन लॉक का उद्धरण देते हुए कहा कि वही प्राचार्य उत्तम है जो महाविद्यालय पर न्यूनतम शासन करता है। महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ की प्रक्षेत्रीय अध्यक्ष-सह- प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार ने नवपदस्थापित प्राचार्य को पुष्पगुच्छ प्रदान कर अभिनंदन करते हुए कहा कि सौम्यता, अनुशासन व विद्वता के प्रतीक और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सदा प्राथमिकता देनेवाले नवपदस्थापित प्राचार्य पर पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व, अनुभव और मार्गदर्शन से निश्चित ही महाविद्यालय को नई दिशा और ऊँचाई मिलेगी। महाविद्यालय के सभी शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की ओर से नवपदस्थापित प्राचार्य को गुलाब का फूल देकर इस्तकबाल किया। वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.अरविंद कुमार ने मंच का सफल संचालन तथा मीडिया प्रभारी डॉ.प्रभाकर कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर मुंशी सिंह महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार, प्रो.रामनिरंजन पांडेय, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ.सुबोध कुमार, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष-सह-आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष-सह-अर्थपाल ले.(भू.पू.) दुर्गेशमणि तिवारी, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.संतोष विश्नोई, डॉ.कस्तुरी शिवम् सौंदर्यम, संजीव किशोर, विकास कुमार सहित अन्य लोगों ने भी स्वागत समारोह को संबोधित किया। नवपदस्थापित प्राचार्य के स्वागत/अभिनंदन समारोह में शिक्षकों की ओर से डॉ.दीपक कुमार, डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ.कुमारी मनीषा, डॉ.नीरज कुमार, डॉ.रामप्रवेश, डॉ.नीलमणि व डॉ. दीपक कुमार भगत तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की ओर से लेखापाल कामेश भूषण, डॉ.भूवनेश्वर सिंह, अखिलेश कुमार, मणिभूषण, अमित कुमार, अजय कुमार, आशुतोष, आलोक कु.पांडेय, सविता कुमारी, देवेंद्र ठाकुर, मंजय ठाकुर, रेखा कुमारी, सत्यनारायण राय, जनक बैठा, रणविजय कु.सिंह, मुन्ना कुमार, राघव शरण, मधु कुमारी, मोनिका बाला, नंदकिशोर सहनी, रात्रि प्रहरी पन्ना लाल, इंद्रजीत कुमार, विशाल कुमार सहित सभी उपस्थित रहे।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 37 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम @ मोतिहारी।

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 37 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण शैलेंद्र कुमार भारती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी गण के द्वारा सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम पीजीआरओ ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जनता के दरबार कार्यक्रम में एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र भारती, यशवंत कुमार, विकास कुमार, मंगला कुमारी, निधि कुमारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

संक्षिप्त समाचार

पीरो में अवैध रूप से चल रहे पांच निजी हॉस्पिटल सील

स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को चलाया छापेमारी अभियान

पीरो/भोजपुर। शुक्रवार को पीरो नगर क्षेत्र और अगिआंव बाजार में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सघन छापामारी अभियान चलाया गया। इस अभियान को लेकर पीरो क्षेत्र में पूरे दिन अवैध रूप से चल रहे निजी हॉस्पिटलों के संचालकों में हड़कंप मची रही और कई संचालक अपने अपने संस्थानों को बंद का गायब हो गए। जिला स्तरीय स्वास्थ्य विभाग की टीम में शामिल डॉ. डी के राय, डीआईओ संजय कुमार सिन्हा, ड्रग इंस्पेक्टर उमा कुमारी के अलावा पीरो के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि कुमार शामिल थे। इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कई निजी हॉस्पिटलों की जांच पड़ताल किया और आवश्यक दस्तावेज नहीं होने के कारण पीरो में स्थित फोर्ड इमरजेंसी हॉस्पिटल, नंदिनी इमरजेंसी हॉस्पिटल, पॉपुलर इमरजेंसी हॉस्पिटल, मां विंध्यवासिनी हॉस्पिटल और अगिआंव बाजार स्थित विंध्यवासिनी फ्रैक्चर एंड एक्सरे हॉस्पिटल समेत पांच निजी हॉस्पिटल को सील कर दिया है। जांच अधिकारियों के अनुसार पीरो के मां विंध्यवासिनी हॉस्पिटल में एक ऑपरेशन थिएटर भी पाया गया जिसे सील कर दिया गया है। शुक्रवार को की गई कार्रवाई और सील किए गए निजी हॉस्पिटलों पर कार्रवाई हेतु प्रतिवेदन वरीय अधिकारी को भेजा जाएगा। टीम में शामिल पीरो के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि कुमार ने बताया कि छापामारी की सूचना फैलते ही फर्जी तरीके से हॉस्पिटल चला रहे संचालकों में हड़कंप मच गया और काफी संख्या में निजी हॉस्पिटल के संचालक अपने अपने संस्थानों को बंद कर दिया था। इस कारण छापामारी अभियान को आगे के दिनों में भी लगातार जारी रखा जाएगा। बता दें कि पीरो अनुमंडल मुख्यालय के अलावा आसपास के कस्बाई बाजारों में भी बड़ी संख्या में निजी हॉस्पिटल खुल गए हैं। इन हॉस्पिटलों में स्वास्थ्य विभाग के किसी मानक का पालन नहीं किया जाता है। ऐसे अधिकतर संस्थानों में बगैर अधिकृत चिकित्सकों के ही ऑपरेशन तक किया जाता है। इसी कारण हाल के वर्षों में इन निजी हॉस्पिटलों में इलाज कराने वाले कई लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं।

जल जीवन हरियाली अभियान के तहत बिहिया शाखा नहर का पुनर्स्थापन कार्य पूरा

किसानों को सिंचाई का लाभ, वर्षा पर निर्भरता हुई कम

आरा। जिलाधिकारी तनय सुलतानिया के निर्देशानुसार जल जीवन हरियाली अभियान के तहत सोन नहर प्रमंडल आरा अंतर्गत बिहिया शाखा नहर का पुनर्स्थापन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। विगत वर्षों में नहर में अत्यधिक गाद, झाड़ियां एवं अन्य कारण से जल प्रवाह बाधित था, जिससे किसानों को सिंचाई में कठिनाई हो रही थी। इस स्थिति को देखते हुए नहर के पुनर्स्थापन हेतु आवश्यक तकनीकी कार्य जैसे रूपांकित सेक्शन निर्माण, एसएलआर ब्रिज, अदद आउटलेट, रेटेनिंग वॉल तथा सीसी ब्लॉक पिचिंग का निर्माण कराया गया। इन कार्यों के परिणामस्वरूप पहली बार बिहिया शाखा नहर और इससे जुड़ी वितरण नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुँचना संभव हुआ है। इससे जगदीशपुर, पीरो और बिहिया प्रखंड के किसान लाभान्वित हो रहे हैं। अब किसानों की वर्षा पर निर्भरता कम हुई है। सतही जल से सिंचाई होने के कारण ट्यूबवेल पर निर्भरता में कमी आई है, जिससे भूजल स्तर को संतुलित बनाए रखने में भी मदद मिल रही है।

प्रधान शिक्षक पद के लिए चयनित शिक्षिका को दी गई विदाई

पीरो/भोजपुर। मध्य विद्यालय सारोपुर में पूर्व से पदस्थापित शिक्षिका संगीता कुमारी कुशवाहा के प्रधान शिक्षक के पद पर चयन के पश्चात नये विद्यालय में योगदान हेतु ससम्मान विदाई दी गई। उत्क्रमित मध्य विद्यालय सारोपुर में शुक्रवार को आयोजित सम्मान सह विदाई समारोह के दौरान विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सहित अन्य शिक्षकों ने संगीता कुमारी कुशवाहा को उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ सम्मान पूर्वक विदा किया। संगीता कुमारी कुशवाहा का पदस्थापन प्रधान शिक्षक के रूप में पीरो प्रखंड के उर्दू प्राथमिक विद्यालय नोनार में हुआ है। वे पिछले 11 वर्षों से मध्य विद्यालय सारोपुर में प्रखंड शिक्षक के रूप में सेवा दे रही थी।इस दौरान संगीता कुमारी कुशवाहा ने इस विद्यालय में बिताए पलों की चर्चा करते हुए भावुक स्वर में कहा कि यहां के शिक्षकों, अभिभावकों व छात्र-छात्राओं से जो स्नेह, प्रेम व सहयोग मिला उसे कभी विस्मृत नहीं कर सकती हैं। कार्यक्रम में संजय कुमार सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक, छात्र व ग्रामीण शामिल हुए।

कर्मियों ने निकाला विरोध मार्च, बोले - जब तक नहीं मिलेगी पुरानी पेंशन तब तक चलेगा आंदोलन

आरा। नेशनल मूवमेंट ओल्ड पेंशन स्कीम के राज्य कमिटी के लिए गए निर्णय के आलोक में चरणबद्ध आंदोलन के तहत आरा में एनपीएस और यूपीएस के विरोध में और ओपीएस को पुनः पूरे देश में लागू करने के लिए धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान एनएमओपीएस और बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोप गुट के बैनर तले संघ, महासंघ गोपगुट भोजपुर से जुड़े कर्मियों ने नहर सिंचाई विभाग बाढ़ नियन्त्रण कार्यालय आरा से विरोध मार्च निकाला। जो विभिन्न मार्ग होते हुए स्टेशन परिसर पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया। इस दौरान कर्मियों ने गगन भेदी नारा लगाते हुए कहा कि एनपीएस यूपीएस वापस करो, निजीकरण बंद करो, सरकारी विभागों में निजीकरण बंद करो, संविदा मानदेय कमियों को नियमित करो, पुराना पेंशन लागू करो, बिहार सरकार, खोले कान, नहीं तो होगा चक्का जाम, रोको महंगी, बांधो दाम, नहीं तो होगा चक्काजाम सहित अन्य नारा लगा रहे थे। अध्यक्षता करते हुए उमेश कुमार सुमन ने कहा कि एनपीएस यूपीएस और ओपीएस में अन्तर है। जिसको समझना जरूरी है। जब तक ओपीएस लागू नहीं होगा यह आंदोलन अनवरत चलता रहेगा। चुनाव से पहले बिहार सरकार बिहार में पुराना पेंशन को लागू करे, नहीं तो पूरे बिहार के कर्मचारी, पदाधिकारी रणनीति तय कर ओपीएस के पक्ष में आंदोलन चलाएंगे। संचालन धर्म कुमार ने किया। मौके पर उमेश कुमार सुमन जिला सचिव बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोप गुट भोजपुर सह अध्यक्ष एनएमओपीएस भोजपुर, रामानंद सिंह अध्यक्ष कर्मचारी महासंघ गोप गुट भोजपुर, रंजीत कुमार जिलाध्यक्ष भूमि सुधार कर्मचारी संघ गोप गुट भोजपुर, धर्म कुमार जिला सचिव प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट भोजपुर, अवधेश पासवान जिला उपाध्यक्ष चौकीदार संघ भोजपुर, रमेश कुमार यादव जिलाध्यक्ष पंचायत रोजगार सेवक संघ भोजपुर, समीर कुमार सिंचाई विभाग, ध्रुव पंडित वरीय नेता पंचायत रोजगार सेवक संघ भोजपुर, सूरज पंडित, बीके शुक्ला संयोजक लिपिक संवर्ग गोप गुट भोजपुर, कन्हैया राम संयुक्त सचिव कर्मचारी महासंघ गोप गुट भोजपुर, अंजनी कुमार संयुक्त सचिव चिकित्सा संघ गोप गुट भोजपुर, उमा शंकर सिंह जिला सचिव बिहार चिकित्सा जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ गोप गुट भोजपुर, ज्वाला सिंह राजस्व निरीक्षक संघ , संध्या सिंह, पूनम, अनामिका, अंजलि कुमारी महिला पर्यवेक्षक, शोभा कुमारी, मंजू कुमारी, शिवजी राम सचिव चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ, अवधेश पासवान, रमेश, ध्रुव पंडित, उमा शंकर, ज्वाला, मंजू, शोभा संध्या, कन्हैया, दिलीप समेत काफी संख्या में कर्मी शामिल थे।

बिहार में 70 हज़ार करोड़ का ग़बन : गप्पू राय

- धन के गबन व दुरुपयोग पर कैग ने जताई चिंता

बिहार के एक तिहाई बजट को नीतीश-मोदी ने मिलकर लूटा, कैग की रिपोर्ट पर बोले गप्पू राय

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिला कांग्रेस मुख्यालय गांधी आश्रम में जिलाध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं बिहार को एक खुशखबरी देने आया हूं जिसकी जानकारी बिहार के लोगों को भी नहीं है। बिहार में विकास हो गया और पुल बन गए, 24 घंटे बिजली मिलने लगी, शिक्षा, रोजगार सब मिलने लगा लेकिन ये बिहार के आम लोगों को पता ही नहीं है, क्योंकि बिहार सरकार के पास इसका हिसाब ही नहीं है, जिसका खुलासा कैग की रिपोर्ट में बाहर आया। 70 हजार करोड़ रुपए का घोटाला बिहार में मोदी और नीतीश कुमार की सरकार ने किया। यह भारत सरकार की कैग ने अपने रिपोर्ट में कही है। बिहार सरकार के विभिन्न विभागों ने 70 हजार करोड़ का यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट जमा ही नहीं किए तो बिहार को प्रधानमंत्री मोदी के कहे लाखों करोड़ के चुनावी वादों में से 70 हजार करोड़ रुपए तो खर्च करने का आंकड़ा मिल गया। ई. गप्पू राय ने कहा कि बिहार का कुल बजट का एक तिहाई बजट लगभग 70हजार करोड़ मोदी और नीतीश ने मिलकर लापता कर दिया, जिससे बिहार के विकास के लिए कई काम हो सकते थे। उन्होंने कहा कि बिहार में कभी जर्जर पुल, खंडहर में तब्दील हो रहे सरकारी भवन और बदहाल व्यवस्था देखेंगे तो याद कीजियेगा कि 70 हजार करोड़ के घोटाले की देन है। साथ ही जिलाध्यक्ष ने कहा कि 31 मार्च 2024 तक बिहार सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा 49,649 उपयोग प्रमाणपत्र (यूसीएस) उपलब्ध नहीं कराया गया। इन यूसीएस की कुल राशि 70,877.61 करोड़ है। आज़ाद भारत के इतिहास में इतना बड़ा डाका आज तक नहीं डाला गया जितना बिहार में भाजपा-जेडीयू सरकार ने गरीबों के हक़ पर डाल दिया है वो भी छोटा मोटा नहीं 70 हज़ार करोड़ का। हाल ही में कैग ने अपनी रिपोर्ट स्टेट फाइनेंस रिपोर्ट नंबर- 1 2025 विधान सभा में रखी है और उसमें यह आशंका जाहिर की गई है कि गरीबों के नाम पर विभिन्न योजनाओं में 70,877.61 क़रोड़ रू गबन कर लिया गया है। कैग ने पाया है कि बिहार सरकार के पास इस बात का कोई लेखा जोखा नहीं है कि ये पैसे कहाँ खर्च किए गए गए है । इन सत्तर हज़ार करोड़ रू से अधिक राशि को खर्च करने के 49,649 उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध ही नहीं है । इन प्रमाण पत्रों को कानूनन राशि खर्च करने के 18 माह में बनाना चाहिए मगर 10 वर्षों से अधिक की अवधि से इन पैसों का कोई हिसाब किताब नहीं है। इतना ही नहीं, बिहार की भाजपा-जेडीयू की नाकारा

सरकार ने बीते पाँच सालों की बजट राशि में से 3,59,667 करोड़ रू की राशि खर्च ही नहीं की। आश्चर्यजनक बात यह है कि इस राशि में लगभग 40% हिस्सा केंद्र प्रायोजित योजनाओं का है, जो सामाजिक कल्याण की योजनाएं हैं।

उपयोगिता प्रमाण पत्रों (यूसीएस) का 70 हज़ार करोड़ के घोटाले का खेल

बिहार कोष कोड, 2011 का नियम 271 (ई) यह निर्देश देता है कि उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसीएस) GIA (Grant-in-Aid) के निर्गमन की तिथि से 18 महीने के भीतर जमा किया जाना चाहिए। यदि GIA बिल के निर्गमन के 18 महीने बीत जाने के बाद भी UCs लंबित हैं, तो वित्त विभाग के विशेष आदेश के बिना अगली GIA कोषागारों द्वारा पारित नहीं की जाएगी। मगर आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी भाजपा-जेडीयू सरकार ने नियमों को ताक में रखकर यह खेल खेला। कुछ प्रमुख विभाग-वार उपयोगिता प्रमाण पत्र (UCs) जो AG (A&E) को 2023-24 तक प्राप्त नहीं हुए उनको बताते हुए उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग में 804.69 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य 860.33 करोड़ रुपए, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग में 911.08 करोड़ रुपए, सामाजिक कल्याण विभाग में 941.92 करोड़ रुपए, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग में 1,397.43 करोड़ रुपए, कृषि विभाग में 2,107.63 करोड़ रुपए, ग्रामीण विकास विभाग में 7,800.48 करोड़ रुपए, शहरी विकास विभाग में 11,065.50 करोड़ रुपए, शिक्षा विभाग में 12,623.67 करोड़ रुपए और सबसे ज्यादा पंचायती राज विभाग 28,154.10 करोड़ रुपए का यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट जमा ही नहीं किया गया है। बिहार की भाजपा-जेडीयू सरकार के आकंठ भ्रष्टाचार में डूबने के प्रमाण सामने आए हैं। सरकार ने बच्चों की शिक्षा, अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग का कल्याण, किसानों और शहरी विकास के विभागों को भी नहीं छोड़ा। कैग ने अपनी रिपोर्ट में राशि के गबन होने तक की आशंका जताई है। बजट की सुर्खियों से सरोकार, गरीबों की विकास योजनाओं पर किया वार भाजपा-जेडीयू सरकार ने बिहार के दलित-शोषित, पिछड़े, अति पिछड़े, बच्चे, महिलाओं, अल्पसंख्यकों के विकास की योजनाओं को इतना बड़ा आघात पहुँचाया है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। बीते पाँच सालों में बिहार की भाजपा जेडीयू सरकार ने 3,59,667 करोड़ रुपए की बजट की प्रावधान राशि को खर्च ही नहीं किया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं का था, जिसके तहत सीधे समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों का विकास सुनिश्चित किया जाना था। इस प्रेस वार्ता में जिला युवा प्रभारी ओमप्रकाश कुशवाहा, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार सिंह, धनंजय तिवारी, बजेन्द्र तिवारी, रंजन शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

लोकसभा में बाल्मीकि नगर सांसद ने विदेश मंत्री से पूछा प्रश्न

बीएनएम @ बगहा

लोकसभा में सांसद सुनील कुमार ने विदेश मंत्री से वाल्मीकिनगर लोकसभा अंतर्गत रामनगर एवं बगहा में डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने से संबंधित प्रश्न पूछा। विदेश मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह द्वारा प्रश्न के जवाब में बताया गया कि वाल्मीकिनगर लोकसभा में डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र की स्थापना के लिए स्थल का चयन किया जा रहा है। स्थल चयन के पश्चात डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र के क्रियान्वयन के लिए आगे की प्रकिया शुरू की जाएगी।

बाल्मीकिनगर सांसद के एक अतारांकित प्रश्न के जवाब में मंत्री ने बताया कि हर लोकसभा क्षेत्र में एक कम से कम डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र प्रस्तावित है। इसके तहत अभी बिहार के 39 लोकसभा क्षेत्रों में 02 पीएसके और 37 पीएसपीओके कार्यरत है। वहीं बाल्मिकीनगर संसदीय क्षेत्र में बगहा या रामनगर में उपयुक्त स्थल का चयब किया जा रहा है।

दस दिवसीय मशरुम की खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ

बीएनएम @ नीरज आनन्द/ मोतिहारी।

साक्षात्कार के उपरांत 35 महिला प्रशिक्षणार्थी ले रहीं हैं प्रशिक्षण

- प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है, ग्रामीणों को प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर व अपना व्यवसाय स्थापित करने के योग्य है बनाना- एलडीएम

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया रूरल सेल्फ एंप्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (सेन्ट आरसेटी) सेंटर, मोतिहारी द्वारा शुक्रवार को दस दिवसीय मशरुम की खेती विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का श्रीगणेश अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) राजेंद्र कुमार पाण्डेय एवं सेन्ट आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। पढ़े-लिखे बेरोजगार महिलाओं के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 01 अगस्त, शुक्रवार को आरम्भ की गई है जो आगामी 13 अगस्त, बुधवार को समाप्त हो जाएगी। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण के लिए 35 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के उपरांत चयन किया गया है। एलडीएम राजेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है, ग्रामीणों को प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर व अपना व्यवसाय स्थापित करने के योग्य बनाना है। इन्होंने मशरुम की खेती के प्रशिक्षणार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए इनकी जीवन स्तर सुधारने तथा प्रभावशाली बनाने की सलाह दी। वहीं निदेशक बिपिन कुमार ने बताया कि इससे बेरोजगारी अवश्य दूर होगी साथ ही साथ एक समृद्ध समाज का निर्माण भी होगा। आर्थिक रूप से अक्षम अभ्यर्थियों को भविष्य में बैंक से ऋण लेने की भी सलाह निदेशक द्वारा दी गई। कहा कि प्रशिक्षण के बाद आपलोग अपना-अपना व्यवसाय आरंभ कीजिए जो भी मार्गदर्शन व सहायता की आवश्यकता होगी हमारी संस्था उसे अवश्य सहयोग करेगी। उक्त मौके पर एलडीएम राजेंद्र कुमार पाण्डेय, निदेशक बिपिन कुमार सहित सभी 35 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। ज्ञातव्य हो कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) को बैंकों द्वारा भारत सरकार और राज्य सरकार के सक्रिय सहयोग से संचालित किया जाता है। बेरोजगारी न्यूनतम करने के लिए आरसेटी एक समर्पित संस्थान है। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंकों के बीच साझेदारी से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कार्यक्रम संचालित हो रहा है। आरसेटी कार्यक्रम लघु अवधि के प्रशिक्षण और उद्यमियों की दीर्घकालिक सहायता के दृष्टिकोण के साथ चल रहा है। इसमें 18-45 वर्ष की आयु के बीच के ग्रामीण गरीब युवा प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए पात्र होते हैं। आरसेटी ग्रामीण गरीब युवाओं की आकांक्षाओं को पकड़ते हुए उन्हें उद्यमशीलता कौशल में प्रशिक्षित कर लाभकारी उद्यमी बना कर अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

हसनपुर में जनसुराज पार्टी की ताकत का प्रदर्शन, इंदु गुप्ता को मिला जनता का अपार समर्थन

बीएनएम @ हसनपुर (समस्तीपुर)

हसनपुर समस्तीपुर हसनपुर विधानसभा क्षेत्र संख्या 140 में जनसुराज पार्टी की भावी प्रत्याशी इंदु गुप्ता ने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रखंड विथान के मरथूआ पंचायत में आयोजित जनसभा में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे इलाके में उनकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। जनसभा को संबोधित करते हुए इंदु गुप्ता ने क्षेत्र के समग्र विकास, पारदर्शी शासन और जनहितकारी योजनाओं को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि जनसुराज पार्टी का उद्देश्य एक जवाबदेह और जनहितकारी शासन स्थापित करना है। सभा के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान का आश्वासन भी दिया। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को उन्होंने अपनी प्राथमिकता में शामिल करते हुए जनता को भरोसा दिलाया कि वे हर वर्ग की बेहतरी के लिए काम करेंगी।

सभा में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। लोगों ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया और उन्हें विधायक के रूप में देखने की इच्छा जताई। इंदु गुप्ता ने कहा कि वे राजनीति को जनसेवा का माध्यम मानती हैं और क्षेत्रीय उपेक्षा के लिए वर्तमान सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने शिक्षा और स्वरोजगार को लेकर ठोस योजनाएं लाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने जनसुराज पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की। स्थानीय कार्यकर्ताओं ने भी सभा में भाग लेकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। जनसभा शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इंदु गुप्ता की पकड़ ग्रामीण इलाकों में लगातार मजबूत हो रही है और उनका यह जनसंपर्क अभियान आगामी विधानसभा चुनाव में निर्णायक साबित हो सकता है। इंदु गुप्ता ने जनता से आशीर्वाद मांगते हुए क्षेत्र को विकास की राह पर ले जाने का संकल्प दोहराया।

मुंशी प्रेमचन्द की जयंती मनाई गई

बीएनएम @नावकोठी।

बेगूसराय भारत के महान कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द की समसा में जयंती समारोह आयोजित की गयी. इस अवसर पर आज का समय और प्रेमचन्द विषय पर सेमिनार आयोजित किये गये. शहीद भगत सिंह मेमोरियल कमिटी समसा के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रवण कुमार ने की। सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शिक्षाविद केंद्रीय विद्यालय से अवकाश प्राप्त शिक्षक एवं समाज सेवी संतोष ईश्वर ने कहा आज समाज को बदलाव के बदले पूंजीवादी और साम्राज्यवादी सांप्रदायिक शक्तियां मानसिक गुलाम बना कर शोषण और यातना की जिंदगी में आम आवाम को धकेलना चाहते हैं। ऐसे समय में हिंदी साहित्य के महान वैज्ञानिक लेखक मुंशी प्रेमचंद हमें भारत के सांप्रदायिक जहर नफरत से उत्थान और एकता व अखंडता का संदेश दिया है। उनके लेखन में निदान है। प्रेमचन्द ने अनेकों कहानी उपन्यासों को लिखकर सामाजिक कुरीतियों पर गहराई से चोट किया है। सेमिनार को शहीद भगत सिंह मेमोरियल कमिटी समसा के सचिव धर्मेंद्र कुमार ने प्रेमचन्द के जीवनी को पढ़ने के साथ साथ जीवन में उतारने की जरूरत पर बल दिया। सेमिनार को चन्दन कुमार, राहुल कुमार,सुमन, बबीता,प्रभात कुमार,क्रांति, सजना कुमारी आदि ने संबोधित किया। प्रेमचंद जयंती समारोह में छात्र छात्राओं के बीच मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।

चार अगस्त से शुरू होगा रसोईया सह सहायकों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण

अलग अलग बैच में भोजपुर के 5226 रसोईयों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

बीएनएम @ आरा।

भोजपुर जिला अंतर्गत सभी रसोईया सह सहायकों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण एक अगस्त से होना तय था। लेकिन मध्याह्न भोजन योजना के सभी प्रखण्ड साधन सेवी के अनुरोध एवं कार्यव्यस्ता के कारण प्रशिक्षण की तिथि में संशोधन किया गया है। इस बाबत जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पीएम पोषण योजना रमेश कुमार पाल ने संशोधित प्रशिक्षण तिथि का शुद्धि पत्र जारी किया है। बतादे कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य रसोइयों को बेहतर तरीके से काम करने और मध्याह्न भोजन योजना की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रशिक्षित करना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल रसोइयों सह सहायकों को बेहतर कौशल प्रदान करेगा, बल्कि मध्याह्न भोजन योजना की गुणवत्ता में भी सुधार करेगा, जिससे छात्रों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन मिल सकेगा।

इसको लेकर डीपीओ श्री पाल ने बताया कि क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण के माध्यम से सभी रसोईया सह सहायकों को मध्याह्न भोजन योजना कि ससमय आपूर्ति, गुणवत्ता, मात्रा, सुरक्षा, समयबद्धता एवं पारदर्शिता आदि पर विशेष ध्यान समेत विभागीय दिशा निर्देश का अनुपालन करने हेतु प्रशिक्षित किया जाना है। जिले के कुल 5256 रसोईया सह सहायकों को 112 बैच में अलग अलग तिथि में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की नई तिथि में दिनांक चार से सात अगस्त तक अगिआंव, आरा सदर कोइलवर, शाहपुर और सहार का प्रशिक्षण होगा। वही चार से पांच अगस्त तक आरा नगर निगम और गड़हनी का प्रशिक्षण चलेगा।

वही चार से छह अगस्त के बीच उदवंतनगर, चरपोखरी, बिहिया और संदेश प्रखंड का प्रशिक्षण दिया जाएगा। चार से आठ अगस्त तक तरारी, पीरो और बड़हरा का प्रशिक्षण होगा। वही चार से नौ अगस्त तक जगदीशपुर के रसोईयों सह सहायकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए संबंधित बीआरपी अपने प्रखंड के बीईओ से समन्वय स्थापित कर प्रखंड संसाधन केन्द्र या विद्यालय या अन्य योग्य स्थान का चयन कर प्रशिक्षण की व्यवस्था करेंगे। वही हैंड बुक, लैपटॉप, प्रोजेक्टर समेत अन्य प्रशिक्षण सामग्री का उपयोग प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा।

यौन गतिविधियों का पूर्ण अपराधीकरण को चुनौती

न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के लिए वैधानिक उम्र 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष करने की शीर्ष अदालत से सिफारिश की है। चर्चित 'निपुण सक्सेना बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट की सहायता करने वाली न्यायमित्र इंदिरा जयसिंह ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012 और आईपीसी की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोर एवं किशोरियों से जुड़ी यौन गतिविधियों का पूर्ण अपराधीकरण करने को चुनौती देते हुए अपनी लिखित प्रस्तुतियां दी हैं। दलील दी है कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए प्रेम संबंधों को अपराध मानता है, और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। अपनी स्थापना के पक्ष में उन्होंने जोरदार तर्क रखा है कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को अनदेखा करता है। सहमति की आयु 16 से बढ़ा कर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अकाट्य आंकड़ा भी नहीं है। इसके अलावा, यह भी ध्यान दिलाया है कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा आयु बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक आयु सीमा 16 वर्ष (शारीरिक संबंध बनाने के लिए सहमति की) ही रही थी। यह भी ध्यान दिलाया है कि आयु बिना किसी बहस के बढ़ा दी गई और ऐसा करते समय वर्मा समिति की सिफारिश की भी अनदेखी की गई। बेशक, यह सामयिक मुद्दा है, और इसे मौजूदा परिप्रेक्ष्य में ही देखा जाना चाहिए। आजकल किशोर समय से पहले ही यौवन प्राप्त कर लेते हैं, और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं। फिर, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्षों के साथ ही वैज्ञानिक एवं सामाजिक आंकड़ों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए जो बताते हैं कि किशोरों में यौन रुझान असामान्य नहीं हैं। आयु संबंधी मौजूदा व्यवस्था किशोरों की सामान्य चेष्टाओं और रुझानों का अपराधीकरण करती है। यह आंकड़ा भी हतप्रभ करने वाला है कि 2017-21 के बीच 16-18 आयु वर्ग के नाबालिगों पर पॉक्सो कानून के तहत अभियोजन में 180 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जो अन्यायपूर्ण प्रतीत होता है।

प्रभु अवतरेहु हरनि महि भारा

गिरीश्वर मिश्र

हर संस्कृति अपनी जीवन-यात्रा के पाथेय के रूप में कोई न कोई छवि आधार रूप में गढ़ती है। यह छवि ऐसा चेतन आईना बन जाता है जिससे आदमी अपने को पहचानता है और उसी से उसे जो होना चाहता है या हो सकता है उसकी आहट भी मिलती है। इस अर्थ में अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों ही इस अकेली छवि में संपुंजित हो कर आकार पाते हैं। ऐसी ही एक अप्रतिम चरितनायक के रूप में श्रीराम युगों-युगों से भारतीय जनों के मन मस्तिष्क में बैठे हुए हैं। भारतीय मन पर उनका गहरा रंग कुछ ऐसा चढ़ा है कि और सारे रंग फीके पड़ गए। भारतीय चित्त के नवनीत सदृश श्रीराम हजारों वर्षों से भारत और भारतीयता के पर्याय बन चुके हैं। इसका ताजा उदाहरण अयोध्या है। यहाँ पर प्रभु के विग्रह को ले कर जन-जन में जो अभूतपूर्व उत्साह उमड़ रहा है वह निश्चय ही उनके प्रति लोक-प्रीति का अद्भुत प्रमाण है। वे ऐसे शिखर पर विराजते हैं कि किसी भी साधक के लिए अवसर बना रहता है। सबका अतिक्रमण करती उनकी मर्यादा हमेशा बीस ही पड़ती है। उनकी उपस्थिति इतिहास के खंडहर या किसी ग्रंथ के पाठ से अधिक लोक जीवन के रोम-रोम में बसी हुई है। श्रीराम एक हैं पर उनके विविध रूप हैं या उन्हें अनेक रूपों में देखा जाता है। आख़िर नाना प्रकार की विचित्र-विचित्र ऋजु कुटिल रुचियों वाले लोगों से भरे समाज के लिए कोई एक रूप पर्याप्त भी तो नहीं हो सकता। इसलिए सगुण और निर्गुण दोनों ही तरह से श्रीराम को आत्मसात् किया जाता है। श्रीराम परब्रह्म हैं। दूसरी ओर उनकी मानवी भूमिका कोसल्यानंदन की भी है जो अयोध्या नरेश दशरथ के आँगन में किलकारी भरते हैं और बालसुलभ सारी गतिविधियाँ करते हैं। राम के चरित जैसा सहज और चमत्कार दोनों का ऐसा मेल दुर्लभ है। उनकी कथा के मूल को खोजना कठिन ही नहीं असंभव है। जाने कब से वह बार-बार कही सुनी जा रही है और सुनने वाले अपने ढंग से सुनते हैं और फिर दूसरों को सुना कर साझा करते हैं। इसलिए वह अनंत भी है। कथा का विस्तार इतना है कि जीवन में अनुभव किए जा सकने वाले मीठे, कड़वे, तीखे, कसैले सभी रस मृदु से कठोर तक विस्तृत सभी रूप में आस्वादन के लिए उपस्थित रहते हैं। वे भक्त जनसुलभ हैं। उनका भव्य रूप न्यारा है श्यामवर्ण, राजीवनयन, आजानबाहु, तीर-धनुष लिए श्रीराम की दृष्टि में सारी सृष्टि समाई है और वे तत्परता से पापी और आततायी को दंडित कर शांति स्थापित करने के लिए व्यग्र हैं। लोकनायक श्रीराम जन रंजन के लिए समर्पित हैं। लोक संग्रह उनका धर्म है। आस्था, विश्वास और निष्ठा के साथ भक्त उनके स्मरण, भजन और दर्शन की चाह में डूबते-उतराते रहते हैं। राम की स्मृति को संजोने और अपने अनुभव का सतत रूप से हिस्सा बनाए रखने के लिए लोक-जीवन में न केवल अनेक पर्व, त्योहार, स्नान-ध्यान आयोजित होते रहते हैं बल्कि सामान्य पारस्परिक व्यवहार में भी सभी अवसरों पर याद करते रहते हैं। राम का नाम असंख्य भारतीयों ने अपने नाम के रूप में अपना लिया है। स्थानीय लोकाचार के साथ तरह-तरह के अनुष्ठानों के बीच श्रीविष्णु के मानव अवतार श्रीराम को स्मरण करते हुए असीम ऊर्जा और आनंद का अनुभव करते हैं। भारतीय जीवन में श्री राम श्वास-प्रश्वास की भाँति बसे हुए हैं। श्रीराम की कथा ऐसा आख्यान है जिसके विस्तार में रिश्तों-नातों की वे सारी जटिलताएँ उपस्थित मिलती हैं जो हर पीढ़ी के लोग अनुभव करते रहे हैं। उसमें भावनाओं की दुनिया का ऐसा अकथ विस्तार है जिसमें हर कोई जीवन के पड़ावों पर अनुभव किए जाने वाले मान-अपमान, त्याग-स्वार्थ, ईर्ष्या-द्वेष, आश्वस्ति-आशंका, हर्ष-विषाद, आक्रोश-सौहार्द, प्रेम-घृणा, मैत्री–शत्रुता, धोखा-भरोसा, मोह-शोक, आदर-तिरस्कार, पाप-पुण्य, आशा-निराशा, विरह-मिलन, ज्ञान-भक्ति, शौर्य-कायरता आदि की भावनाओं से रूबरू होता है। इनकी छायाएँ चारों ओर बिखरी पड़ी रहती हैं जिनमें हर कोई खुद को खड़ा पाता है। परंतु इन सबसे गुजरते हुए आदमी में उत्तम या श्रेयस्कर जीवन की साधना और मूल्यों की ओर ऊपर उठाने की चाह पैदा भी पैदा होत्ती है। वही राम-कथा का अभीष्ट भी है। चूँकि जीवन एक कथा के रूप में ही आकार लेता है इसलिए कथा या आख्यान में पिरो कर जीवन मूल्यों को जन-जन में प्रतिष्ठित करने की चेष्टा वाल्मीकि, तुलसी, कम्बन समेत अनेकानेक रचनाकारों द्वारा रची रामायण में की जाती रही। यह स्वाभाविक और सबके लिए ग्राह्य भी है। आज की औपचारिक शिक्षा से दूर अनपढ़ ग्रामीण भी सदियों से राम-कथा से अनुप्राणित होते आ रहे हैं। मीडिया के वर्तमान रूप के बहुत पहले से राम-कथा की वाचिक परम्परा और राम-लीला का मंचन कथा-प्रसंग की अविरल लोकप्रियता का संकेत करते हैं। मानवीय भागीदारी के कारण उसमें हमेशा कुछ नवीनता की भी गुंजाइश बनी रहती है। कथावाचक या रामलीला की मंडलियां अपने निजी वैशिष्ट्य का परिचय देते हैं। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा शुरू हुई ये लीलाएँ काशी नगरी में कई जगहों पर आयोजित होती है और कहीं का भरत मिलाप प्रसिद्ध है तो कहीं की नक कटैया तो कहीं का वन गमन और कहीं का केवट प्रसंग। राम कथा के व्यास (कथा वाचक आचार्य) अपने-अपने ख़ास ढंग से कथा को रचते हुए कथामृत का पान कराते हैं। इतिहास न हो कर सर्जनात्मक हस्तक्षेप के अवसर वाली ये जीवंत कथा प्रस्तुतियां देखते हुए यही कह सकते हैं 'हरि अनंत हरि कथा अनन्ता।' यह ठीक भी है आखिर भगवान भक्त के अधीन जो ठहरे। राम कथा के पंडित अमूर्त स्तर पर 'राम' की व्याख्या कुछ इस प्रकार हैंः प्रतीकार्थ में राम आत्मारूपी आंतरिक प्रकाश हैं। दशरथ और कौशल्या से राम का जन्म का अर्थ दस इंद्रियों की कुशलता से उस प्रकाशस्वरूप आत्मा की अनुभूति करना है। आत्म-ज्ञान से अहंकार और विषयासक्ति की समाप्ति होती है और राग-द्वेष से उपजती नकारात्मकता पर विजय मिलती है जो जीवन की सबसे बड़ी चुनौतियाँ है। आत्म-ज्ञान वस्तुतः यथार्थ या सत्य के बोध को द्योतित करता है। अपने यहां सत्य को सबसे बड़े मूल्य का दर्जा दिया गया उससे ऊपर कुछ भी नहीं है ः न हि सत्यात् परो धर्मः। सत्य से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उसे सबसे बड़ा बल कहा गया है। वह सनातन धर्म है। सत्य की ही जय होती है। महाभारत में सत्य को ही धर्म , तप और योग कहा गया है। सत्य ही सनातन ब्रह्म है। सत्य को ही परम यज्ञ कहा गया है तथा सब कुछ सत्य पर ही टिका हुआ है। श्रीराम रावण के रूप में विद्यमान असत्य को अपदस्थ कर सत्य की प्रतिष्ठा करते हैं। ऐसे श्रीराम की स्मृति को जीवित करती अवधपुरी अयोध्या सरयू नदी के तट पर स्थित है। इस नागरी की गणना मोक्षदायिनी सात नगरियों में की गई है। मोक्ष का एक सीधा और सरल अर्थ है मोह का क्षय। जीवन मुक्त वह व्यक्ति होता है जो जीते जी इसे साध ले। इस तरह पवित्र प्रेरणा के लिए अयोध्या युगों-युगों से का आश्रय बना हुआ है। तुलसीदास जी का 'रामचरितमानस ' अयोध्या में ही रचा था। उन्होने मानस में अयोध्या का मनोहर चित्र खींचा है। साधु-संतों और धर्मप्राण जनता के लिये अयोध्या सदैव आकर्षित करती रही है। अयोध्या धाम का जीर्णोद्धार और भव्य मंदिर का निर्माण तृप्तिदायी अनुभव है। सभी प्राणी श्री राम से जुड़ कर आनन्द का अनुभव करते हैं। आम भारतवासी आज भी सुख -दुख, जन्म-मरण, हानि -लाभ , क़ायदा – कानून के प्रसंगों में राम का स्मरण करते नहीं थकती। अविराम चलती ठहरे या किसी तरह के विश्राम के सभी जीव जन्तुओं का अहर्निश कल्याण करना ही रामत्व की चरितार्थता है। राम का अपना कुछ नहीं है, जो है वे उसका अतिक्रमण करते हुए नई मर्यादा स्थापित करते हैं। उनको हर तरह के लोभ, मोह, ममता , प्रीति , स्नेह को कसौटी पर चढ़ाया जाता है और वे खरे उतरते हैं। शायद राम होने का अर्थ निःस्व होना है। राम से जुड़ कर मर्यादा, भक्ति, शक्ति, प्रेम, विरह, और अनुग्रह सभी भावों और अनुभवों से आदमी जुड़ता है। राम का श्रेय जगत का कल्याण है। उनका पूरा चरित ही दूसरों के लिए समर्पित लोक-संग्रह का संघर्ष है । पुरुषोत्तम राम की कथा शील, शक्ति और मर्यादा की संभावना को रेखांकित करती है। नीति-अनीति, न्याय-अन्याय, और धर्म-अधर्म के बीच उठाने वाले द्वंद्वों के बीच नैतिक मूल्य की प्रतिष्ठा सदैव एक चुनौती रही है। मानव रुप में ईश्वर की राममयी भूमिका का एकमात्र अभिप्राय लोक-हित का साधन करना है। इस पृथ्वी को अशुभ तत्वों से मुक्त कर कल्याणकारी जीवन की स्थापना ही श्रीराम की उपस्थिति का परम प्रयोजन है ः प्रभु अवतरेहु हरनि महि भारा।

आत्मनिर्भरता बढ़ाने विकास योजनाबद्ध जरूरी

भारत डोगरा

विश्व अर्थव्यवस्था और व्यापार में कई स्तरों पर बढ़ते अनिश्चय के बीच एक बार फिर नये सिरे से विभिन्न देशों ने आत्मनिर्भरता के महत्त्व को पहचाना है। आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि कोई देश अपनी सभी जरूरतों को अपने स्थानीय उत्पादन से ही पूरा करे। ऐसी परिभाषा आधुनिक समय में तो क्या बहुत पहले भी संभव नहीं थी। आत्मनिर्भरता का अर्थ यह है कि यथासंभव अपनी अधिक महत्त्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए देश स्थानीय उत्पादन और तकनीकी क्षमता का विकास करें तथा अन्य जरूरतों की आपूर्ति के लिए अपेक्षाकृत अधिक विसनीय स्रेत सुनिश्चित करें। कोई देश आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ता है और इसे अधिक महत्त्व देता है तो भी उसके लिए विदेशी व्यापार का महत्त्व भी अनेक संदभरे में बना रहेगा। भूमंडलीकरण के दौर में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के उद्देश्य को कम महत्त्व दिया गया। यह कहा गया कि नये बदलावों के दौर में इसकी प्रासंगिकता नहीं रह गई है। यह सोच अनेक वर्षों तक हावी रही पर अब हाल की विश्व स्तर की उथल-पुथल के बीच यह मान्यता फिर बन रही है कि जो देश आत्मनिर्भरता को अधिक महत्त्व देते हैं, वे ही अपने लोगों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने में अधिक सक्षम हैं और उनकी अर्थव्यवस्था अधिक सुरक्षित और मजबूत है। आजादी के बाद हमारे देश में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को समुचित महत्त्व दिया गया। इसके लिए अनेक पूंजी और भारी उद्योगों की स्थापना की गई और जहां भी जरूरत हो इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र में उपक्रमों की स्थापना की गई। विज्ञान एवं तकनीकी के विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के संस्थान स्थापित किए गए जिनमें अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण संस्थान भी थे। दवा उद्योग जैसे महत्त्वपूर्ण उद्योगों के विकास पर समुचित ध्यान किया गया। पंचवर्षीय योजनाएं बनाई गई ताकि ऐसे विभिन्न महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए अधिक योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जाए और विभिन्न महत्त्वपूर्ण लक्ष्यों के बीच में आपसी तालमेल बनाया जा सके। एक बड़ी चुनौती खाद्यान्न और कृषि क्षेत्र में थी। यहां भारत ने कुछ उपलब्धियां प्राप्त कीं तो कुछ बड़ी गलतियां भी कीं। इसका परिणाम यह हुआ कि चाहे मुख्य अनाजों गेहूं तथा चावल में भारत आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सका पर इसके लिए रासायनिक खाद, कीटनाशक और अन्य दवाओं तथा इनसे जुड़ी ऐसी महंगी तकनीकों पर निर्भर हो गया जो मिट्टी तथा पानी के बुनियादी संसाधन आधार को भी क्षतिग्रस्त करती थीं और किसानों का खर्च भी तेजी से बढ़ाती थीं। इनता ही नहीं, दालों, खाद्य तेलों आदि के आयात पर भारत की निर्भरता बढ़ने लगी। हाल के समय में जीएम फसलों और इनसे जुड़ी ऐसी तकनीकों के प्रसार के लिए भी निहित स्वाथरे ने बहुत जोर लगाया है जिनसे हमारा देश विश्व की कुछ बड़ी शोषक बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर अधिक आश्रित हो जाएगा। दूसरी ओर, अच्छी खबर यह है कि विभिन्न देशों में बहुत से किसान ऐसे सफल प्रयास कर रहे हैं जिनसे रासायनिक खाद, कीटनाशक दवाओं आदि पर निर्भरता कम होती है और परंपरागत, देशीय बीजों की रक्षा करने और उन्हें एकत्र करने की अधिक महत्त्व दिया जाता है। ये प्रयास पर्यावरण की रक्षा के भी अनुकूल हैं। आज विश्व में जिस तरह की उथल-पुथल और मनमानी के निर्णय अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में देखे जा रहे हैं, उनसे तो यह और भी स्पष्ट हो गया है कि आत्मनिर्भरता की नीतियां ही भारत जैसे महत्त्वपूर्ण विकासशील देशों के लिए सबसे उचित हैं। इसके साथ टिकाऊ विकास, पर्यावरण रक्षा के अनुकूल विकास और समावेशी विकास को अधिक महत्त्व देना चाहिए जिससे सबसे कमजोर वगरे की जरूरतें पूरी करने पर अधिक ध्यान किया जा सके। आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए विकास को योजनाबद्ध करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से देखें तो जिस तरह भारत में योजना आयोग और पंचवर्षीय योजनाओं को जल्दबाजी में समाप्त कर दिया गया, वह उचित नहीं है। इस बारे में हमें नये सिरे से विचार करना चाहिए कि विकास की राह को योजनाबद्ध कैसे किया जाए। इससे विभिन्न उद्देश्यों में तालमेल बेहतर ढंग से हो सकता है, और आत्मनिर्भरता के विभिन्न उद्देश्य बेहतर ढंग से प्राप्त हो सकते हैं। अर्थव्यवस्था और आर्थिक सुधार किस राह पर आने चाहिए, इस संबंधी विमर्श बहुत हद तक धनी-पश्चिमी देशों और वहां के जाने-माने संस्थानों और अर्थशास्त्रियों से प्रभावित होता रहा है पर इसके परिणाम अधिक सुखद नहीं रहे हैं। समय आ गया है कि भारत जैसे प्रमुख विकासशील देश विकास और अर्थनीति संबंधी अपनी स्वतंत्र राह को अधिक महत्त्व दें। इस तरह हम विश्व स्तर पर भी ऐसी मौलिक सोच दे सकेंगे जो विशेषकर विकासशील देशों के लिए बहुत लाभदायक होगी। इस संदर्भ में महात्मा गांधी के विचारों पर नये सिरे से आज के संदर्भ में ध्यान देना जरूरी है। कुछ महत्तपूर्ण संदभरे में उनकी सोच आज भी बहुत प्रासंगिक है। इस सोच का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि ग्रामीण विकास को अधिक महत्त्व दिया जाए और ग्रामीण विकास में भी आत्मनिर्भरता को अधिक महत्त्व दिया जाए। जहां इस सोच के आधार पर महत्त्वपूर्ण कार्य हुआ है, वहां किसानों का खर्च कम करते हुए भी कृषि उत्पादकता को पहले जितना बनाए रखना संभव हुआ है, और कहीं-कहीं तो इसे बढ़ावा भी दिया जा सका है। जहां पर किसान महंगे रासायनिक खाद और कीटनाशक छोड़कर स्थानीय संसाधनों गोबर, गोमूत्र, पत्तियों आदि पर आधारित खाद और हानिकारक जंतुओं को दूर रखने की दवाओं को अपना रहे हैं, वहां उनके उत्पादों अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जी, फल आदि की गुणवत्ता भी सुधर रही है और स्वास्थ्य लाभ भी हो रहा है। इसी सुधार में अगला कदम यह है कि खाद्यों की प्रोसेसिंग गांव के स्तर पर ही अधिकतम की जाए। यदि तिलहन से तेल गांव स्तर पर प्राप्त किया जाए तो शुद्ध तेल भी मिलता है, और पशुओं के लिए खली भी मिल जाती है। गांव में रोजगार सृजन होता है, और बेहतर आय किसान को मिलती है। इसी तरह घी और मक्खन जैसे उत्पाद गांव के स्तर पर ही बनें तो छाछ और लस्सी के रूप में पोषण भी मिलता है, और आय भी बढ़ती है। दलहन, धान, गेंहू, मोटे अनाजों, फल, सब्जी सभी की बेहतर प्रोसेसिंग गांव और कस्बे के स्तर पर हो तो ये लाभ और बढ़ सकते हैं। यह सब महात्मा गांधी की गांवों की आत्मनिर्भरता की सोच के अनुरूप ही है पर साथ में यह सोच इससे भी आगे जाती है। खादी की सोच हमें बताती है कि बड़ी मशीनों और नई तकनीकों के आगमन का अर्थ यह नहीं है कि अब हर जगह इन्हें ही छा जाना है। हमें अपनी स्थिति के अनुसार, रोजगार की संभावना को बढ़ाने को भी ध्यान में रखना है, परंपरागत हुनर और कौशल की रक्षा को भी ध्यान में रखना है, और साथ में आज की वास्तविकता और व्यवहारिकता को भी ध्यान में रखना है तथा इन सभी को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने हैं। इन सभी को ध्यान में रखेंगे तो हैंडलूम और खादी जैसे क्षेत्रों के साथ सौर ऊर्जा जैसे नये क्षेत्रों में भी हम महत्त्वपूर्ण मौलिक योगदान विश्व स्तर पर दे सकते हैं। विश्व में आर्थिक बहस पश्चिमी और प्रचलित अवधारणाओं पर चल रही है, पर हम अपनी मौलिक सोच अपनी स्थितियों और जरूरतों के अनुरूप आपसी विमर्श और अध्ययन से बनाएं तो यह हमारे लिए भी उपयोगी होगा और इससे अन्य विकासशील देशों को भी बेहतर सोच मिलेगी।

स्क्रीन का शिकंजाः ऑस्ट्रेलिया से सबक लेगा भारत?

डॉ. प्रियंका सौरभ

ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए यूट्यूब समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने का साहसिक फैसला लिया है। यह कदम बच्चों को ऑनलाइन दुनिया के नकारात्मक प्रभावों से बचाने के लिए उठाया गया है। भारत जैसे देशों में, जहां डिजिटल लत तेजी से फैल रही है, वहां इस तरह की नीति बहुत जरूरी है। यह समय है कि भारत भी बच्चों के डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए स्पष्ट कानून बनाए, अभिभावकों को जागरूक करे और बच्चों को स्क्रीन की लत से मुक्त करके संतुलित विकास की दिशा में कदम बढ़ाए। ऑस्ट्रेलिया के फैसले से दुनिया के देशों को सबक लेना चाहिए कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने का समय अब आ गया है। बचपन अब किताबों से नहीं, स्क्रीन की चमक से आकार ले रहा है- यह वाक्य अब हमारे समाज की वास्तविकता बन चुका है। मोबाइल, टैबलेट और इंटरनेट की पहुँच बच्चों तक इतनी सहज हो चुकी है कि चार साल का बच्चा भी यूट्यूब पर कार्टून देख सकता है और दस साल का बच्चा इंस्टाग्राम पर रील्स बनाना जानता है। ऐसी स्थिति में ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा लिया गया फैसला न सिर्फ साहसिक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने की दिशा में ऐतिहासिक कदम भी है। ऑस्ट्रेलिया ने यह तय कर दिया है कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह नीति 10 दिसंबर से लागू हो रही है और इसका उल्लंघन करने पर संबंधित प्लेटफार्मों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की संसद पहले ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफार्मों को 16 साल से कम आयु के बच्चों के लिए प्रतिबंधित कर चुकी है। अब यूट्यूब को भी इसी दायरे में शामिल किया गया है। यह दुनिया का पहला कानून है जो बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर इतनी स्पष्टता और कठोरता के साथ लागू किया जा रहा है। नियमों के मुताबिक अगर कोई प्लेटफार्म 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सेवाएं देना जारी रखता है, तो उस पर 5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है, बल्कि टेक कंपनियों को जवाबदेह बनाने की गंभीर कोशिश है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार का मानना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने यह स्पष्ट कहा है कि माता-पिता को यह जानने का हक है कि उनके बच्चे क्या देख रहे हैं और किसके प्रभाव में हैं। यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर जो सामग्री बच्चों के सामने आती है, वह कई बार हिंसा, लैंगिक पूर्वाग्रह, अपशब्दों और अमर्यादित व्यवहार से भरी होती है। इतना ही नहीं, बच्चों को लगातार विज्ञापन, ब्रांडेड कंटेंट और चकाचौंध वाली ज़िंदगी दिखाकर उनकी असल दुनिया से दूरी बढ़ाई जा रही है। यूट्यूब का कहना है कि वह केवल एक वीडियो होस्टिंग प्लेटफार्म है और उसे सोशल मीडिया की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। यूट्यूब के प्रवक्ता का तर्क है कि 13 से 15 साल के लगभग तीन-चौथाई ऑस्ट्रेलियाई किशोर इसका उपयोग करते हैं और इसे शैक्षणिक, रचनात्मक व मनोरंजक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पर सवाल उठता है कि क्या यूट्यूब या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म बच्चों के लिए वाकई सुरक्षित हैं? क्या वे सुनिश्चित करते हैं कि बच्चों को केवल उपयुक्त और सकारात्मक सामग्री ही दिखाई जाए? वास्तविकता यह है कि अधिकतर टेक कंपनियाँ केवल व्यूज, क्लिक और विज्ञापन राजस्व के लिए काम करती हैं, न कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए। भारत जैसे देशों में यह मुद्दा और अधिक गंभीर हो जाता है। यहां इंटरनेट यूज़र्स की संख्या करोड़ों में है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरों और स्कूली बच्चों की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 13 से 17 वर्ष के बच्चे हर दिन औसतन तीन घंटे से अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं। इतनी कम उम्र में जब बच्चों को किताबों, खेल और सामाजिक मेल-जोल में समय बिताना चाहिए, वे अपने कमरे में अकेले बैठकर स्क्रीन से चिपके रहते हैं। इससे न सिर्फ उनकी आँखों और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक विकास भी बाधित होता है। स्कूलों में शिक्षकों को अब इस बात की चिंता होती है कि विद्यार्थी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि रातभर मोबाइल पर लगे रहते हैं। माता-पिता इस कशमकश में रहते हैं कि बच्चों को मोबाइल दें या न दें, क्योंकि अगर वे न दें तो बच्चा पिछड़ने का डर जताता है और दें तो स्क्रीन की लत लग जाती है। डिजिटल लत अब नशे की तरह फैल चुकी है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, नींद की कमी, एकाग्रता में गिरावट और रिश्तों से दूरी जैसी समस्याएँ अब आम हो चुकी हैं। कुछ बच्चे तो सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और साइबर बुलिंग का शिकार हो रहे हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। भारत में अभी तक इस मुद्दे पर कोई ठोस नीति नहीं बन पाई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 13 साल की आयु सीमा तो तय है, लेकिन उसका पालन कोई नहीं करता। बच्चे गलत उम्र डालकर खाते बना लेते हैं और बिना किसी निगरानी के उनका इस्तेमाल करते हैं। माता-पिता की भूमिका भी संदिग्ध है- कुछ अभिभावक खुद ही बच्चों को स्क्रीन थमाकर व्यस्त हो जाते हैं, जबकि उन्हें मार्गदर्शक बनना चाहिए। इसके अलावा, भारत में स्कूल स्तर पर भी डिजिटल नैतिकता की शिक्षा का अभाव है। बच्चों को यह नहीं सिखाया जाता कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग कैसे करें, फर्जी समाचारों से कैसे बचें, या साइबर खतरों से कैसे सतर्क रहें।समस्या सिर्फ टेक्नोलॉजी की नहीं है, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक जागरूकता की भी है। जब तक माता-पिता, शिक्षक और सरकारें मिलकर यह तय नहीं करेंगी कि बच्चों को किस तरह की डिजिटल दुनिया में प्रवेश करना है, तब तक कोई भी तकनीकी समाधान प्रभावी नहीं हो सकता। डिजिटल अनुशासन केवल कानून से नहीं, संस्कार और समझ से आता है। ऑस्ट्रेलिया का यह कदम इस मायने में प्रेरक है कि उसने बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता दी और टेक कंपनियों को चुनौती दी। भारत को भी अब इंतज़ार नहीं करना चाहिए। यह समय है जब सरकार एक स्पष्ट और सख्त नीति बनाए कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया और मनोरंजक प्लेटफार्म से दूर रखा जाएगा। साथ ही, कंटेंट फिल्टरिंग, स्क्रीन टाइम लिमिट, और आयु सत्यापन जैसी तकनीकों को अनिवार्य किया जाए। इसके साथ ही अभिभावकों के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, ताकि वे यह समझ सकें कि बच्चों के जीवन में स्क्रीन की भूमिका क्या होनी चाहिए। स्कूलों में डिजिटल नागरिकता की शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। मीडिया और फिल्म जगत को भी यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे बच्चों के लिए सकारात्मक, मूल्य-आधारित और प्रेरक सामग्री का निर्माण करें। याद रखना चाहिए कि आज के बच्चे कल का समाज तय करेंगे।

मेष राशिः आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले मे आप नये लोगो से मिलेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके सीनियर लोग आपके कार्यो की तारीफ करेंगे। आज आपके बच्चे आपको कोई गुड न्यूज दे सकते हैं, जिससे आप उनपर गर्व महसूस करेंगे। आज घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। दोस्तों के साथ समय बितायेंगे।

वृष राशिः आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। बिजनेस में बड़ी डील फाइनल होने के कारण आज घर पर पार्टी करेंगे। घरेलू कार्यों परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में आज आपका मन लगा रहेगा। ऑफिस में आपके काम को लेकर बॉस आपकी तारीफ कर सकते है। आपके जुनियर आपसे काम सीखना पसन्द करेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। पहले किये गए किसी सामाजिक कार्य के लिए आज आपको सम्मानित किया जायेगा। जॉब की तलाश कर रहे लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। परिवार वालों के साथ घर पर मूवी देखने का प्लान बन सकता है। आज आप कोई नया व्यापार शुरु करने का मन बनायेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके मन में नए–नए विचार आयेंगे। आज आप किसी नए व्यापार की योजना भी बनाएंगे। पारिवारिक कार्यों को पूरा करने में जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। दोस्तों के साथ बनाया हुआ ट्रीप का प्लान आज कैन्सिल हो सकता है। संगीत तथा कला में रुझान रखने वाले लोगों को आज किसी अच्छे प्लाफोर्म पर काम करने का ऑफर आएगा।

सिंह राशिः आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका आत्मविश्वास कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगा। आज दाम्पत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा। राजीनीति में सक्रीय लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। लेखन कार्य कर रहे लोगों के किसी लेख की तारीफ होगी। आज आपके व्यापार में दो गुना वृद्धि होगी।

कन्या राशिः आज आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़ी हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो समय रहते पूरा हो जाएगा। फर्नीचर खरीदना चाहते हैं तो आपके लिए आज का दिन शुभ है। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। घर में चल रही विवाह संबंधी समस्या जल्द ही सॉल्व हो जाएगी।

तुला राशिः आज पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के ऑर्किटेक के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कम्पनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आपके पक्ष में आएगा। अगर कोई नयी गाड़ी खरीदना चाह रहें है तो आज ले लीजिए। आज आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। आज आप अपने स्वभाव में परिवर्तन लायेंगे, इससे परिवार वाले प्रसन्न होंगे। आज इलेक्ट्रानिक सामान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। आज आप घर पर किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज के दिन कोई करीबी आपकी खुशियों को दोगना कर देगा। कार्यक्षेत्र में बढोतरी के नये अवसर प्राप्त होंगे।

धनु राशिः आज का दिन बिजनेस के लिए फायदेमंद होगा। दाम्पत्य रिश्ता आज मधुरता से भरपूर रहेगा। आज आप किसी दोस्तों के साथ कोई बिज़नस शुरू करने का प्लान बना सकते हैं। लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में घर में पार्टी करेंगे। ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, किसी क्लाइंट से अच्छा लाभ होगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी ऐसे स्थान पर होगा, जहां से अप-एण्ड-डाउन करने में आपको आसानी होगी। जीवनसाथी से निजी समस्यायों को शेयर करने से मन का बोझ हल्का होगा। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, पढ़ाई में आ रही बाधाएं दूर हो जाएंगी।

कुम्भ राशिः आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते है। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। इस राशि के लोगों को आज कानूनी मामलों से बचने की जरूरत है। ऑफिस में सहकर्मियों की मदद से काम जल्द खत्म होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम है। आज आपको व्यापार में अचानक धनलाभ का अवसर प्राप्त होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा। आपके मन मे व्यापार को लेकर नए-नए विचार आएंगे। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। आज आपकी मुलाकात किसी पुराने मित्र से होगी, जिनसे आप बचपन की यादें शेयर करेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कनाडियन ओपन 2025: 14 डबल फॉल्ट के बावजूद कोको गॉफ प्री-क्वार्टरफाइनल में

मॉन्ट्रियल। नेशनल बैंक ओपन (कनाडियन ओपन) में अमेरिका की टॉप सीड और विश्व नंबर-2 कोको गॉफ ने गुरुवार को एक बार फिर मुश्किल हालात में शानदार जुझारूपन दिखाया। रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा के खिलाफ गॉफ ने 14 डबल फॉल्ट किए, लेकिन इसके बावजूद 4-6, 7-5, 6-2 से जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। मैच के बाद गॉफ ने कहा, "यह वाकई कठिन मुकाबला था। मैं मानसिक रूप से मजबूत रही, खासकर रिटर्न गेम में। मेरी सर्विस में सुधार की ज़रूरत है, लेकिन फिलहाल जीत से खुश हूं।" फ्रेंच ओपन जीतने के बाद गॉफ बर्लिन और विम्बलडन में अपने शुरुआती मैच हार चुकी थीं। ऐसे में यह जीत उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही। गॉफ ने कहा, "जब मेरा एक हिस्सा कमजोर हो और फिर भी मैं मैच जीत रही हूं, तो सोचिए जब सब कुछ सही चलेगा, तो मैं क्या कर सकूंगी।" अब गॉफ का सामना 18 वर्षीय कनाडाई खिलाड़ी विक्टोरिया मबोको से होगा, जिन्होंने मैरी बौजकोवा को

1-6, 6-3, 6-0 से हराया। मबोको टूर्नामेंट में बची आखिरी कनाडाई खिलाड़ी हैं। इस बीच, अमेरिका की मैकार्टनी केसलर ने चौथी वरीयता प्राप्त रूस की मिर्रा आंद्रेवा को 7-6 (5), 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। अब केसलर का मुकाबला यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक से होगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की 15वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसात्किना को 3-6, 6-3, 7-6 (4) से हराया। यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्सका ने आठवीं वरीयता प्राप्त एमा नवारो को 7-5, 6-4 से हराया। अब उनका मुकाबला नौवीं वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना से होगा, जिन्होंने रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन को 6-0, 7-6 (5) से हराया। दसवीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना ने रूस की कमिला राखिमोवा को 7-5, 6-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। दो दिन पहले अमेरिकी खिलाड़ी डेनिएल कॉलिन्स के खिलाफ 23 डबल फॉल्ट और तीन सेट के थ्रिलर मैच से गुजरने वाली गॉफ ने इस बार भी एक सेट और ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद वापसी की और अपनी लय को कायम रखते हुए अंतिम-16 में प्रवेश किया।

करुण सबसे लंबे समय के बाद अर्धशतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने

ओवल। आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले बल्लेबाज करुण नायर का बल्ला आंखिर चल ही गया। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के शुरुआती मैचों में विफल रहे करुण ने मेजबान टीम के खिलाफ यहां जारी अंतिम अंतिम क्रिकेट टेस्ट में दबाव के बीच ही नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम को संभाला। जब टीम के अन्य बल्लेबाज विफल हो रहे थे तो करुण ने एक छोर संभाले रखा और अपने पचास रन पूरे किये। करुण ने इस प्रकार 3149 दिनों के बाद 50 रन बनाये हैं। इससे पहले दिसंबर 2016 में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। ये टेस्ट मैचों में दो अर्धशतकों के बीच दूसरा सबसे लंबा अंतराल है। वहीं भारतीय बल्लेबाजों द्वारा दो टेस्ट अर्धशतकों के बीच सबसे लंबे अंतराल का रिकॉर्ड पूर्व क्रिकेटकीपर पार्थिव पटेल के नाम है। पार्थिव ने चौथा अर्धशतक साल अक्टूबर 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 और पांचवां अर्धशतक नवंबर 2016

में इंग्लैंड के खिलाफ 67 के बीच सबसे लंबा अंतराल, 4426 दिन का है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक वह करुण ने जहां 52 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम अपनी अपनी पारी में 6 विकेट पर 204 रन बनाने में सफल रही। करुण ने अपनी करियर की शुरुआत में भी इंग्लैंड के खिलाफ ही तिहरा शतक 303 रन बनाये थे। इसके बाद वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं होने के कारण टीम से बाहर हो गये थे। करुण इस सीरीज के शुरुआती तीन मैच में असफल रहे जबकि चौथे मैच में उन्हें शामिल नहीं किया गया था। अब पांचवे मैच में अपने प्रदर्शन से करुण ने साबित कर दिया कि उनका चयन सही था।

यशस्वी आत्मविश्वास की कमी से रन नहीं बना पा रहे : गावस्कर

ओवल। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आत्मविश्वास की कमी के कारण रन नहीं बना पा रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट मैच में यशस्वी केवल दो रन ही बना पाये। चौथे टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद वह दूसरी पारी में असफल रहे। दूसरे टेस्ट में उन्होंने 87 रन बनाये थे पर इसके बाद से ही वह रन नहीं बना पा रहे। अंतिम टेस्ट की पहली पारी में वह गस एटकिंसन का शिकार बने थे। गावस्कर ने कहा, जायसवाल के खेल में थोड़ी अनिश्चितता और तकनीकी कमी नजर आती है जिससे उसका आत्मविश्वास कम हुआ है। पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद से ही वह सहज नहीं दिखे

हैं। इसी कारण वह अपना अगला पैर ज़्यादा आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं हालांकि वह एक अच्छे खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि अगर कोई उनके साथ बैठकर कुछ तकनीकी पहलुओं पर काम किया जाये,जैसे कि उनका अगला पैर आगे रखना और कंधे को ज़्यादा न खोलना, तो इससे उन्हें काफी लाभ हो सकता है। अभी, उनका पिछला कंधा पहली या दूसरी स्लिप की तरफ़ जा रहा है, जिससे बल्ले का सीधा नीचे आना कठिन हो जाता है।

काउंटी चैम्पियनशिप 2025: साई किशोर ने सरे के लिए झटके पांच विकेट, चहल और तिलक वर्मा भी चमके

नई दिल्ली। तमिलनाडु के बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर आर. साई किशोर ने काउंटी चैम्पियनशिप 2025 के मुकाबले में सरे की ओर से खेलते हुए डरहम के खिलाफ शानदार पांच विकेट झटके। यह मुकाबला रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जा रहा है। साई किशोर ने मैच के दूसरे दिन दो विकेट चटकाए थे, जिसके बाद तीसरे दिन कोडी यूसुफ, बास डी लीडे और मैथ्यू पॉट्स को आउट कर उन्होंने पांच विकेट (5/72) पूरे किए। उन्होंने मैच में कुल सात विकेट लिए और अब तक दो मैचों में 11 विकेट 24 की औसत से झटके हैं। उनकी शानदार गेंदबाज़ी के दम पर सरे ने डरहम को 344 रनों पर ऑलआउट

कर दिया, जिससे जीत के लिए उन्हें केवल 176 रनों का लक्ष्य मिला। डिवीजन टू में खेलते हुए, युजवेंद्र चहल ने नॉर्थहैम्पटनशायर की ओर से डर्बीशायर के खिलाफ चौथे दिन दो विकेट झटके। उन्होंने पहली पारी में छह विकेट लिए थे और अब मैच में उनके आठ विकेट हो गए हैं। यदि वह अंतिम दिन दो और विकेट लेते हैं तो उनके नाम मैच में 10 विकेट हो जाएंगे। दिलचस्प बात यह रही कि चहल ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर हैट्रिक की स्थिति बना दी थी, लेकिन वेन मैडसेन ने तीसरी गेंद को संभाल लिया। वहीं, हैम्पशायर की ओर से खेल रहे तिलक वर्मा ने वोर्सेस्टरशायर के खिलाफ 62 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक हैम्पशायर ने 139/2 का स्कोर बना लिया था और उनकी लीड 183 रन हो गई है।

नये लुक में नजर आये धोनी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपनी हेयर स्टाइल के कारण हमेशा ही सबके आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। वह अपनी हेयर स्टाइल में लगातार बदलाव करते रहते हैं। शुरुआत में वह लंबे बालों के लिए जाने जाते थे। वहीं इसके बाद उन्होंने बालों को छोटा कर दिया। वहीं अब वह एक नये हेयरकट के साथ ही नये लुक में नजर आ रहे हैं। इसमें 44 साल की उम्र के बाद भी वह युवा और स्टाइलिश दिख रहे हैं। नई तस्वीरों में स्पाइक हेयर में धोनी ने लाइट बीयर्ड लुक ट्राई किया है। इस दौरान वह काले रंग की टी शर्ट और आंखों में चश्मा लगाए थे। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। कई लोगों ने इससे लाइक किया है। धोनी की पत्नी साक्षी धोनी ने भी इस पर कमेंट करते हुए लिखा कि आप बहुत यंग लग रहे हैं। तो

एक अन्य यूजर ने लिखा कि धोनी सुपरस्टार हैं। धोनी अपनी हेयर स्टाइल से कभी भी समझौता नहीं करते, चाहे आईपीएल का कोई नया सत्र हो या कोई और इवेंट हो, धोनी हर बार एक नई हेयर स्टाइल में नजर आते हैं। अपने करियर की शुरुआती दौर में उन्होंने लंबे बाल रखे थे। इसके बाद उन्होंने अपने बालों को गोल्डन कलर करवाया था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद धोनी ने अपने बाल दान किए थे और वह गंजे हो गए थे। कभी धोनी छोटे तो कभी लंबे बालों में नजर आये।

व्यापार

अमेरिकी टैरिफ के टेंशन में टूटा शेयर बाजार, गिरकर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। दुनिया के तमाम देशों पर थोपे गए अमेरिकी टैरिफ से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में लगातार तनाव का माहौल बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई। सुबह 10 बजे के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कुछ देर के लिए सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी रिकवर करके लाल निशान में भी पहुंचे, लेकिन इसके बाद टैरिफ के टेंशन में शुरू हुई बिकवाली की वजह से शेयर बाजार की चाल लगातार गिरती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत और निफ्टी 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल, डिफेंस, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 444.51 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.21 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,169 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,313 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,703 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,667 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 632 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,035 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 111.17 अंक की कमजोरी के साथ 81,074.41 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन

इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से सुबह 10:30 बजे के करीब सेंसेक्स 131.93 अंक की मजबूती के साथ 81,317.51 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 720 अंक से अधिक टूट कर 690.01 अंक की कमजोरी के साथ 80,495.57 अंक तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 585.67 अंक की गिरावट के साथ 80,599.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 33.45 अंक लुढ़क कर 24,734.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से पहले घंटे के कारोबार में इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। सुबह 10 के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे ये सूचकांक अगले आधे घंटे में ही हरे निशान में 24,784.15 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में पूरी तरह से बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम 3 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब ढाई सौ अंक फिसल कर 233.30 अंक की गिरावट के साथ 24,535.05 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 30 अंक की रिकवरी करके 203 अंक की कमजोरी के साथ 24,565.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड 3.23 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 1.46 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.29 प्रतिशत, नेस्ले 1.28 प्रतिशत और हीरो मोटोकॉर्प 1.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, सन फार्मास्यूटिकल्स 4.51 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 3.91 प्रतिशत, सिप्ला 3.33 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 3.28 प्रतिशत और टाटा स्टील 3.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

जुलाई महीने में बिकवाल की भूमिका में बने रहे विदेशी निवेशक, एक महीने में की 47,666 करोड़ से अधिक की बिकवाली

नई दिल्ली। जुलाई का महीना घरेलू शेयर बाजार के लिए लगातार गिरावट वाला महीना बना रहा। इस महीने सेंसेक्स में 2,400 अंक से अधिक और निफ्टी में करीब 750 अंक की गिरावट आ गई। इसी तरह बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में भी 11.44 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। फरवरी 2025 के बाद मार्केट कैपिटलाइजेशन में किसी एक महीने के दौरान आई ये सबसे बड़ी गिरावट है। इस गिरावट के लिए विदेशी निवेशकों की स्टॉक मार्केट में की गई बिकवाली को प्रमुख कारण माना जा रहा है। जुलाई महीने में विदेशी निवेशकों ने 47,600 करोड़ रुपये से भी अधिक की बिकवाली की। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार जुलाई के महीने में विदेशी निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में कुल ,84,138.54 करोड रुपये की खरीदारी की। वहीं इस अवधि में उन्होंने 3,31,805.22 करोड़ रुपये की बिकवाली की। इस तरह पूरे महीने के दौरान उन्होंने लिवाली की तुलना में 47,666.68 करोड़ रुपये ज्यादा के शेयर स्टॉक मार्केट में बेच डाले। इसके पहले के 4 महीनों के दौरान विदेशी निवेशक बिकवाली की तुलना में लिवाली ज्यादा कर रहे थे। मार्च में विदेशी निवेशकों ने लिवाली और बिकवाली के आंकड़ों

को मिला कर 2,014.18 करोड़ की लिवाली की थी। इसी तरह अप्रैल में 2,735.02 करोड़, मई में 11,773.25 करोड़ और जून में 7,488.28 करोड़ रुपये की विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लिवाली की थी। विदेशी निवेशकों द्वारा जुलाई में की गई भारी भरकम बिकवाली के कारण शेयर बाजार पर जबरदस्त दबाव बन गया। इस दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में जुलाई के महीने मे करीब 3.50 प्रतिशत की कमजोरी आ गई। इसका एक नुकसान ये भी हुआ कि जुलाई में भारतीय शेयर बाजार दुनिया के टॉप 10 स्टॉक मार्केट्स में से सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला स्टॉक मार्केट बन गया। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि जुलाई में घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट के लिए विदेशी निवेशकों की बिकवाली तो एक प्रमुख कारण है ही, इसके साथ ही जून में खत्म हुई पहली तिमाही के दौरान कंपनियों के कमजोर नतीजों ने भी निवेशकों को निराश करने का काम किया। इसके साथ ही अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ की आशंका और अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर बनी अनिश्चितता ने भी निवेशकों के विश्वास को कमजोर किया। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का मानना है कि महंगे वैल्यूएशन वाले शेयरों में सतर्कता और डेरिवेटिव मार्केट से आए कमजोर संकेतों ने स्टॉक मार्केट की गिरावट को और तेज कर दिया। इसके अलावा वोलैटिलिटी इंडेक्स की तेजी, इंडेक्स फ्यूचर्स में शॉर्ट पोजीशन और पुट-कॉल रेशियो ने भी शेयर कारोबारियों की चिंता में और बढ़ोतरी की, जिसका असर अंततः घरेलू शेयर बाजार की गिरावट के रूप में नजर आया।

स्टॉक मार्केट में श्री रेफ्रिजरेशंस की जोरदार एंट्री, 40 प्रतिशत मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। एचवीएसी सिस्टम्स बनाने वाली कंपनी श्री रेफ्रिजेरेशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 125 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 35.88 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 169.85 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण सुबह 11 बजे तक कंपनी के शेयर उछल कर 175 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को लगभग 40 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। श्री रेफ्रिजेरेशंस का 117.33 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 187.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 167.32 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 197.01 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन

195.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 94.52 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 18.25 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 11.53 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 13.55 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

फिच ने भारत के जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.3 फीसदी किया

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यस्था को लेकर फिच रेटिंग्स ने नया अनुमान जारी किया है। रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। फिच रेटिंग्स ने अप्रैल में अपने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को जारी इंडिया कॉरपोरेट्स क्रेडिट ट्रेंड्स रिपोर्ट में कहा, "हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3 फीसदी रहेगी।" हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उसे अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च टैरिफ का भारतीय कंपनियों पर सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव दिखाई देता है। एजेंसी ने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचागत खर्च से सीमेंट और निर्माण सामग्री, बिजली, पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात और इंजीनियरिंग एवं निर्माण (ईएंडसी) कंपनियों की मांग में मजबूती आएगी। फिच ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के बारे में कहा कि उसे उम्मीद है कि उच्च अमेरिकी टैरिफ से उसके द्वारा रेटिंग प्राप्त भारतीय कंपनियों पर "सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव" पड़ेगा, क्योंकि अमेरिकी निर्यात जोखिम सामान्यतः कम से मध्यम स्तर का है। उल्लेखनीय है रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में अगस्त के पहले दिन आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 420 रुपये से 470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। कीमत में कमी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,020 रुपये से लेकर 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 91,690 रुपये से लेकर 91,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,14,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,840 रुपये

प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,020 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर अहान पांडे की सैयारा की बादशाहत कायम, 300 करोड़ रुपये से चंद कदम दूर

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ रही है। फिल्म आए दिन बॉक्स ऑफिस पर नए-नए रिकॉर्ड बना रही है। जहां एक ओर कमाई के मामले में यह फिल्म दुनियाभर में डंका पीट रही है, वहीं अहान पांडे और अनीत पड्डा को भी इसने रातों-रात स्टार बना दिया है। अब सैयारा की कमाई के 13वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सैयारा ने अपनी रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 7 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 273.50 करोड़ रुपये हो गया है। विदेश में सैयारा का भी खूब डंका बज रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने अब तक 413.75 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। फिलहाल फिल्म का बॉक्स ऑफिस से हिलना मुश्किल लग रहा है। भारत में इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में पहले स्थान पर विक्की कौशल की छावा है। इसने 615.39 करोड़ रुपये की कमाई की थी, वहीं सैयारा अब दूसरे पायदान पर है। इस फिल्म की कहानी की नायिका वाणी बत्रा (अनीत पड्डा) हैं, जिनका दिल टूट चुका है और हीरो हैं कृष कपूर (अहान पांडे) जो अपने सपने जोड़ने निकले हैं। फिल्म दोनों की दर्द भरी प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है।

स्मृति ईरानी के कमबैक पर अनुपमा सोलंकी बोलीं-उनके शो देखकर बड़ी हुई आज भी भावुक हो जाती हूं

अभिनेत्री अनुपमा सोलंकी खुश हैं कि स्मृति ईरानी 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 के साथ छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अनुपमा ने बताया कि वह उनके शो बचपन से देखती आई हैं, शो का थीम सॉन्ग सुन वो आज भी भावुक हो जाती हैं। अनुपमा ने बताया कि वह स्मृति के शो देखकर बड़ी हुईं। स्मृति ईरानी की टीवी पर वापसी के बारे में पूछे जाने पर अनुपमा ने कहा, यह खबर सुनकर बहुत खुशी हुई। इतने सालों बाद उन्हें फिर से कास्ट किया गया है, जैसे एकता कपूर ने पहले किया था। मैं 'कहानी घर घर की, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी और 'कसौटी जिंदगी की देखकर बड़ी हुई हूं। आज भी उन शोज के थीम सॉन्ग सुनकर भावुक हो जाती हूं। 'जागृति - एक नई सुबह फेम अभिनेत्री ने आगे कहा, हाल ही में मैंने 'क्योंकि के गाने पर एक रील बनाई। काश, मैं इस वापसी का हिस्सा होती, लेकिन मैं जहां हूं, वहां खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि स्मृति जी का नया शो सुपरहिट होगा, क्योंकि यह बहुत शानदार शो है, जो दर्शकों को आज भी बहुत पसंद है। टीवी के सुनहरे युग की वापसी पर अनुपमा ने कहा, शायद यह संभव हो। हमें उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। उस दौर में भावनाओं और दर्शकों से जुड़ाव की जो गहराई थी, वह बेमिसाल थी। मैं चाहती हूं कि वह दौर लौटे। एकता मैम के शो अब कम आते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह नया शो दर्शकों के दिलों को छू लेगा। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन 2 का प्रीमियर 29 जुलाई को स्टार प्लस पर हो रहा है। स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय तुलसी और मिहिर विरानी की अपनी लोकप्रिय भूमिकाओं में वापसी करेंगे। इस नए अध्याय में हितेन तेजवानी, गौरी प्रधान, शक्ति आनंद, कमलिका गुहा ठाकुर, शगुन शर्मा, रोहित सुचंती, अमन गांधी, अंकित भाटिया और तनीषा मेहता जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

मनीषा रानी की लेटेस्ट तस्वीरों ने मचाया बवाल

बिग बॉस ओटीटी 2 की एक्स कंटेस्टेंट और बिहार की मनीषा रानी हमेशा ही सुर्खियों में रहती हैं। मनीषा बिग बॉस के घर में अपने चुलबुले अंदाज और अपनी बातों की वजह से फैंस की फेवरेट रही हैं। बिग बॉस के बाद मनीषा ने डांस रिएलिटी शो झलक दिखला जा 11 की विनर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ के साथ मनीषा सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपने लेटेस्ट तस्वीरों और वीडियो के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। इसी बीच अब मनीषा का एक लेटेस्ट फोटोशूट इंटरनेट का पारा हाई कर रहा है। 28 साल की मनीषा रानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट की हैं। मनीषा इस वक्त बाली में अपना वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। शेयर की गई तस्वीरें बाली की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए मनीषा ने कैप्शन में लिखा, समुद्री हवा और बाली की सहजता। मनीषा की ये तस्वीरें देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। फोटोशूट में मनीषा कभी रेत पर लेटी तो कभी समंदर के लहरों के साथ पोज देती दिख रही हैं। लुक की बात करें तो कुछ तस्वीरों में उन्होंने बिकिनी के साथ ब्लैक कलर की जालीदार वनवीस ड्रेस पहने दिख रही हैं। कुछ तस्वीरें में वो अलग ही अंदाज में दिख रही हैं। फैंस कमेंट कर बोल रहे हैं वो किसी हिरोइन से कम नहीं लग रही हैं. इस तस्वीर में फैंस का ध्यान मनीषा के पीछे गहरे पानी में गया। फोटो में किसी के उल्टे पैर नजर आ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि जैसे कोई डूब रहा है। कमेंट कर कई यूजर्स ने कहा, पीछे देखो 9वीं तस्वीर में कोई डूब रहा है।

तेहरान के ट्रेलर की रिलीज डेट आउट, 14 अगस्त को जी5 पर आएगी जॉन अब्राहम की एक्शन फिल्म

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम एक और एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ वापसी कर रहे हैं. तेहरान नाम के यह थ्रिलर फिल्म दिनेश विजान के बैनर मैडॉक फिल्म्स के साथ उनकी पहली फिल्म होगी. मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट का एलान किया है. आइए जानें फिल्म के अपडेट के बारे में...
जॉन अब्राहम की फिल्म तेहरान पर पिछले कुछ समय से काम चल रहा है. शुरुआत में इस फिल्म को 2023 में रिलीज करने का प्लान था. लेकिन किसी वजह से इसे आगे बढ़ा दिया गया.अब ऐसा लग रहा है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी. क्योंकि गुरुवार को तेहरान के मेकर्स ने खुलासा किया कि जॉन की आगामी एक्शन-थ्रिलर का प्रीमियर स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान ओटीटी प्ले के प्रीमियम के माध्यम से जी5 पर होगा. मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर की तारीख का भी खुलासा किया है. फिल्म का ट्रेलर आज 1 अगस्त को रिलीज होने वाला है. इसका एलान करते हुए टीम ने लिखा, दिल्ली में एक ब्लास्ट ने सिर्फ एक दूतावास नहीं, एक सोए हुए जुनून को जगा दिया है. तेहरान इस स्वतंत्रता सप्ताह में आ रहा है, जी5 पर. मेकर्स ने तेहरान से जॉन का पहला लुक भी शेयर किया है. इसमें उनके चेहरे का एक हिस्सा घायल दिखाई दे रहा है. ऐसा लग रहा है कि वह किसी चीज पर निशाना साध रहे हैं. जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर अभिनीत आगामी हिंदी एक्शन-थ्रिलर फिल्म तेहरान रूस-यूक्रेनी युद्ध और वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित एक भू-राजनीतिक थ्रिलर है. अरुण गोपालन की निर्देशित और दिनेश विजान, संदीप लेजेल और शोभना यादव द्वारा निर्मित इस फिल्म के लेखक रितेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा हैं.

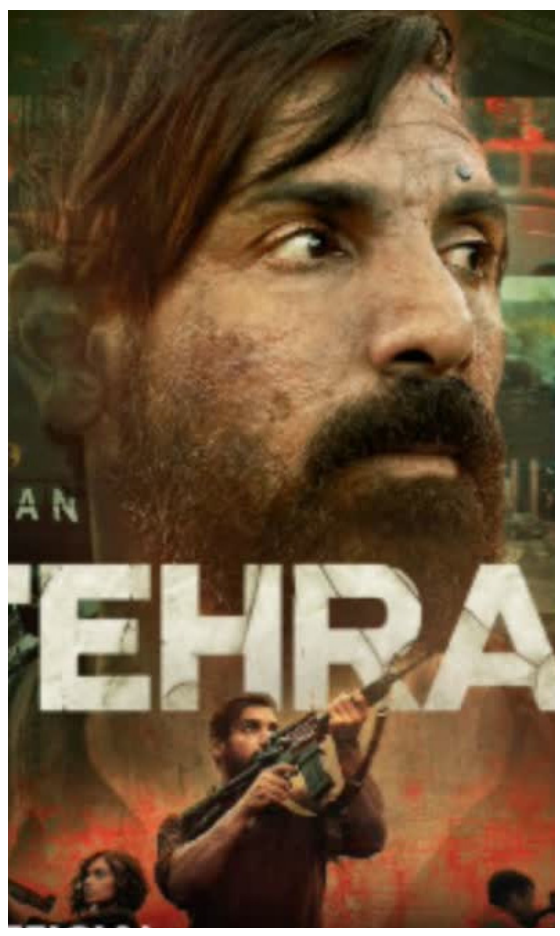

नेल आर्ट करवाने के बाद नाखूनों का ऐसे रखें ध्यान, नहीं होंगे खराब

नेल आर्ट करवाने के बाद नाखूनों की देखभाल करना जरूरी है ताकि आपका नेल आर्ट लंबे समय तक बना रहे। सही देखभाल से न केवल आपके नाखून सुंदर दिखेंगे, बल्कि वे स्वस्थ भी रहेंगे। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने नाखूनों की देखभाल कर सकते हैं और उन्हें टूटने से बचा सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने नाखूनों को हमेशा खूबसूरत और मजबूत रख सकते हैं। नेल आर्ट करवाने के बाद सबसे पहले अपने नाखूनों को नमी दें। इसके लिए आप नेल ऑयल या क्रीम का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके नाखूनों को सूखने से बचाएगा और उनकी चमक बनाए रखेगा। इसके अलावा नमी देने से आपके नाखून मजबूत रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी। दिन में दो बार नाखूनों पर नेल ऑयल या क्रीम लगाएं, खासकर सोने से पहले ताकि यह रात भर काम कर सके और आपके नाखून स्वस्थ रहें। नेल आर्ट के बाद हल्के साबुन का उपयोग करना

बेहतर होता है। कठोर साबुन आपकी नेल आर्ट को खराब कर सकते हैं और आपके नाखूनों को कमजोर बना सकते हैं। इसलिए हमेशा हल्के साबुन जैसे कि एंटी-बैक्टीरियल या नमी देने वाले साबुन का ही उपयोग करें। इससे न केवल आपकी नेल आर्ट सुरक्षित रहेगी बल्कि आपके नाखून भी मजबूत बने रहेंगे। इसके अलावा हल्के साबुन का उपयोग करने से आपकी त्वचा भी मुलायम और स्वस्थ रहेगी। क्यूटिकल्स आपके नाखूनों की सुरक्षा करते हैं और इन्हें स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप क्यूटिकल के तेल या क्रीम का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके क्यूटिकल्स को नमी देगा और उन्हें टूटने से बचाएगा। इसके अलावा क्यूटिकल्स की सही देखभाल करने से आपके नाखून मजबूत रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी। दिन में दो बार अपने क्यूटिकल्स पर क्यूटिकल के तेल या क्रीम लगाएं, खासकर सोने से पहले ताकि यह रात भर काम कर सके।

India will not react immediately to US tariffs, may increase imports

New Delhi, In a shocking move, US President Donald Trump has announced to impose a 25 percent tariff on India. Earlier it was to be implemented from August 1, which will now be implemented from August 7. Since this announcement, there is speculation about India's retaliatory action. However, it is being said that India is considering not giving any immediate response. Sources quoted people familiar with the matter as saying that India is considering options to satisfy the White House. These include promoting US imports. However, India will not immediately retaliate to Trump's threat of 25 percent tariff. Officials said the government is keen to bring bilateral trade talks back on track and is looking for ways to increase purchases from the US, its largest trading partner. The report said that India is considering increasing the purchase of natural gas from the US, increasing the import of communication equipment and gold. India believes that doing so can help reduce India's trade deficit with the US in the next 3-4 years. Sources also said that India is not considering an immediate response to Trump's tariff threat. Sources have said in a report that India has informed the US that it is not interested in buying F-35 stealth fighter aircraft. During Prime Minister Narendra Modi's visit to the US in February, Trump had offered to sell these expensive fighter aircraft to India. At the same time, India is considering responding to the tariffs imposed by the US on steel and automobiles in the World Trade Organization when the time comes. On tariffs, the government had said, the government gives utmost importance to the welfare and interests of farmers, entrepreneurs and micro, small and medium enterprises. The government will take all necessary steps in the national interest, as has been done in other trade agreements including the agreement with Britain. Commerce Minister Piyush Goyal had said in Parliament that the government will fully protect the interests of farmers, MSMEs and entrepreneurs and will take every necessary step so that the interests of the country are not harmed.

Anil Ambani has been summoned by ED for questioning, his premises were raided last week

New Delhi, The Enforcement Directorate (ED) has summoned Reliance Group chief and managing director Anil Ambani for questioning in the loan fraud case. The ED has issued summons to Anil and asked him to appear before officials at the ED headquarters in New Delhi on August 5. The central agency is investigating this under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA). The case is being reported to be of a loan fraud of Rs 17,000 crore. The central agency began raiding premises, companies and residences of individuals linked to Anil Ambani on July 24. This action has been taken a few days after the State Bank of India (SBI) classified Reliance Communications and its promoter-director Anil Ambani as fraud. The ED had searched the premises of 50 companies and 25 individuals in Delhi and Mumbai. The agency has also questioned 25 people.

Yes Bank had given a loan of Rs 3,000 crore to Reliance Group between 2017 and 2019 in an improper manner. It is alleged that the loan money was used to cheat the bank-investors, transfer it to shell companies and misappropriate public money. The bank and agencies filed an FIR exposing this fraud, after which SBI declared Anil a 'fraud' on June 13 and informed RBI on June 24.

Former Maharashtra ATS officer said - there were orders to arrest Bhagwat in Malegaon case

Mumbai, A former Anti-Terrorism Squad (ATS) officer has made a shocking revelation in the Malegaon blast case in Maharashtra. Retired police inspector Mehboob Mujawar, who conducted the initial investigation in the case, claimed in Solapur on Thursday that he was instructed to arrest Rashtriya Swayamsevak Sangh chief Mohan Bhagwat. He claimed that these orders were issued with the aim of fabricating a false story of alleged saffron terrorism. Mujawar said the investigation was conducted by a fake officer and was completely fake and a sham. He said the court's decision has exposed a fake investigation conducted by a fake officer. He claimed he was given confidential instructions to arrest several persons, including Ram Kalsangra, Sandeep Dange, Dilip Patidar and Bhagwat. Mujawar said he did not follow the orders. Mujawar said that it was beyond his capability to catch a huge personality like Mohan Bhagwat, so he did not follow the orders. In return, a false case was registered against him, which ruined his 40-year career. He said, I cannot say what investigation the ATS did then and why, but these orders were not such that they could be followed. On 29 September 2008, an explosive device was attached to a motorcycle and detonated outside a mosque in Malegaon, around 200 km from Mumbai. 6 people died in the blast. The case was first investigated by the ATS, which was handed over to the NIA in 2011. Pragya got bail in 2017. On Thursday, the court acquitted Sadhvi Pragya, Lt. Col. Prasad Purohit, Abhinav Bharat Sanstha's Sudhakar Chaturvedi, Sameer Kulkarni, Ramesh Upadhyay, Ajay Rahirkar, Sudhakardhar Dwivedi.

India will not buy stealth F-35 fighter aircraft from America

New Delhi, After US President Donald Trump announced 25 percent tariff and penalty on India, India has started looking for alternatives. Meanwhile, according to information received from sources, India will now consider buying defense equipment from America. According to the report, India has informed the US that it is not interested in purchasing the F-35 stealth fighter jet. However, there has been no official statement on this. According to the report, Narendra Modi's government is showing more interest in partnerships focused on joint design and manufacturing of defense equipment domestically, which will strengthen India's case in the tariff case. Apart from this, India is also considering options to pacify the White House, which also includes promoting American imports. However, India has refused to take immediate retaliatory action on the 25 percent tariff action. The report claims that India will no longer work on defense purchase plans from the US for now. India is considering increasing the purchase of natural gas, communication equipment and gold imports to pacify the US. Increasing purchases can reduce India's trade surplus with the US in the next 3 to 4 years. India wants good bilateral relations with the US. While imposing a 25 percent tariff on India, Trump said that India's tariffs are the highest in the world and he does not agree with this. Apart from this, he also expressed displeasure over the purchase of oil and weapons from Russia, which he described as a way of financing the Ukraine war. On Wednesday, he even said that he is not concerned with what Russia and India do and he described both the countries as dead economies. Modi had a bilateral meeting with Trump during his visit to Washington DC in February this year. During this, Trump had proposed to sell F-35 to India. At that time, there was also talk of increasing America's military sales worth several billion dollars.

SAFF Under-17 Championship 2025 schedule announced, India-Pakistan match to be held on 22 September

New Delhi, The South Asian Football Federation (SAFF) has announced the schedule of the Under-17 SAFF Championship to be held in Colombo, Sri Lanka from 15 to 27 September. In the 10th edition of the tournament, seven countries will be divided into two groups, with India and Pakistan in the same group. SAFF Under-17 Championship Group: Group A: Bangladesh, Nepal, Sri Lanka. Group B: India, Pakistan, Maldives, Bhutan. Teams in each group will play each other once in a round-robin format, while the top two teams from each group will qualify for the semi-finals. All matches after the group stage will be single-leg eliminators, with provision for extra time and penalty shootout in case of a draw after stipulated time. Hosts Sri Lanka will play their first match against Nepal and all matches of the tournament will be played at the Race Course International Stadium. SAFF U-17 Championship Schedule: Group Stage: 15 September - 7:00 PM - Nepal vs Sri Lanka - Group A 16 September - 3:00 PM - India vs Maldives - Group B 16 September - 7:00 PM - Pakistan vs Bhutan - Group B 18 September - 7:00 PM - Bangladesh vs Nepal - Group A 19 September - 3:00 PM - Pakistan vs Maldives - Group B 19 September - 7:30 PM - Bhutan vs India - Group B 21 September - 7:00 PM - Bangladesh vs Sri Lanka - Group A 22 September - 3:00 PM - India vs Pakistan - Group B 22 September - 7:30 PM - Bhutan vs Maldives - Group B Knockout: Semi-final 1 - 25 September - 3:00 PM - Winner of Group A vs Runner-up of Group B Semi-final 2 - September 25 - 7:30 PM - Winner of Group B vs Runner-up of Group A Final - September 27 - 6:00 PM - Winner of Semi-Final 1 vs Winner of Semi-Final 2 Defending champions India will begin their campaign against Maldives. The Blue Colts had beaten Bangladesh in the previous edition in Bhutan, with Mohammad Kaif and Mohammad Arbash scoring hundreds in a 2-0 win in September last year.

Prime Minister seeks suggestions for Independence Day speech

New Delhi, A India is preparing to celebrate its 79th Independence Day on August 15. In this connection, Prime Minister Narendra Modi has invited ideas and suggestions from the countrymen for his Independence Day speech to be given from the ramparts of the Red Fort this year. The Prime Minister said in a message on the social media platform X on Friday, "As we approach this year's Independence Day, I am eager to hear the views of my fellow Indians. What topics or ideas would you like to see reflected in this year's Independence Day speech?" The Prime Minister has urged citizens to share their views through the open forum available on the MyGov portal or the NaMo app. It is noteworthy that the Prime Minister's Independence Day speech focuses on important issues like development of the country, policy making, role of youth and social change. This time also this initiative has been taken to encourage the participation of citizens so that the voice of the common man reaches the ramparts of the Red Fort.

Vice Presidential election will be held on 9 September, election schedule released

New Delhi, The Election Commission has fixed September 9 as the date for the Vice Presidential election of India. In this regard, the Commission has released the election schedule on Friday. The Commission said that almost all the preparations regarding the election have been completed. The final preparations will be done in a month. The Commission will issue the notification on August 7 and the last date for filing nominations will be August 21, 2025. Scrutiny of nominations will be done on August 22. According to the commission's schedule, the last date for withdrawal of nomination for the election is 25 August. After this, the election will be held on 9 September. The commission said that voting will be held on 9 September from 10 am to 5 pm and if necessary, the counting will be done on the same day and the result will be announced by late night. Let us tell you that the Election Commission has completed the work of observer. The post of Vice President has fallen vacant after the sudden resignation of Jagdeep Dhankhar. He suddenly submitted his resignation to President Draupadi Murmu at 9.30 pm on July 22, a day after the monsoon session began. He has cited health reasons behind his resignation, while the opposition has cited the conflict between the central government and him as the main reason. So far, the National Democratic Alliance (NDA) and India Alliance have not decided the candidate.

Opposition creates ruckus in Parliament on SIR issue, work halted

New Delhi, No work could be done in both the houses of Parliament on Friday due to the ruckus created by the opposition over the Special Intensive Revision (SIR) of the voter list in Bihar and after one adjournment each, the proceedings were adjourned for the day. Due to the ruckus created by the opposition in the Rajya Sabha, the proceedings were first adjourned till 12 noon and then till 11 am on Monday. On the other hand, the proceedings in the Lok Sabha were first adjourned till 2 pm and later till Monday. As soon as the proceedings started in the Rajya Sabha at 11 am, the opposition started creating ruckus over SIR in the context of Bihar. Meanwhile, Aam Aadmi Party member Ashok Kumar Mittal raised the issue of crowd in hospitals. The ruckus did not stop even then. After this, the proceedings of the House were adjourned till 12 noon. Even when the proceedings of the House resumed at 12 noon, the ruckus of the opposition members continued. Presiding officer Ghanshyam Tiwari started the Question Hour. In response to the first question, Union Minister Ashwini Vaishnav stood up to answer but due to the uproar, the proceedings could not continue, after which the proceedings were adjourned till 11 am on Monday. In the Lok Sabha, Speaker Om Birla objected to the noise and placards brought by the opposition as soon as the proceedings started at 11 am. Birla urged the members to let the Question Hour go on but the uproar continued, after which the proceedings were adjourned till 2 pm. When the proceedings resumed at 2 pm, the government introduced the Adjustment of Representation of Scheduled Tribes in the Constituencies of the Goa State Legislative Assembly Bill, 2024 for discussion. But the uproar of the opposition continued. On this, Minister of State for Parliamentary Affairs Arjun Ram Meghwal accused the opposition of being anti-Scheduled Tribes (ST). When the uproar continued, Presiding Officer Krishna Prasad Tenneti adjourned the proceedings till Monday.